Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

# वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 250 | शनिवार, 19 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

# अमित शाह ने सरकारी कामकाज में बढ़ाई हिंदी की पैठ, तकनीक और अनुवाद पर दिया जोर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की हिंदी सेवा एक नहीं, अनेक दृष्टियों से ध्यान देने योग्य है। मूलतः गुजरातीभाषी शाह स्वयं हिंदी में काम करते हैं, इसलिए स्वाभाविक तौर पर हिंदी में सरकारी कामकाज बढ़ा है। शाह के कारण सरकारी पत्रावलियां हिंदी में बनती हैं। शाह के मार्गदर्शन में केंद्रीय गृह मंत्रालय राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं, अनुवाद-कार्य और हिंदी-सलाहकार समितियों के माध्यम से लगातार प्रयासरत है। शाह हिंदी को प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, पत्रकारिता और उच्च ज्ञान-विमर्श की भाषा बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री, आधुनिक शब्दावली और अनुवाद की मजबूत व्यवस्था की अनवरत हिमायत करते हैं। हिंदी के प्रति अमित शाह का लगाव केवल औपचारिक राजभाषा-नीति तक सीमित नहीं दिखाई देता। वर्ष 2019 में हिंदी दिवस के अवसर पर उन्होंने हिंदी को स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना से जोड़ा था। गत वर्ष 2025 में भी शाह ने हिंदी दिवस पर आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के संवर्धन से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने पर बल दिया था।

पिछले एक वर्ष में माननीय गृह मंत्री जी के नेतृत्व में राजभाषा विभाग ने हिंदी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं के लिए भी कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। जून 2025 में भारतीय भाषा अनुभाग की शुरूआत हुई। इसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाना और उन्हें तकनीक तथा प्रशासन से जोड़ना है। इस पहल से राजभाषा विभाग के काम का दायरा भी व्यापक हुआ है। विभाग ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों यानी नराकासों के काम को प्रोत्साहित करने के लिए 'नराकास प्रोत्साहन सम्मान' की व्यवस्था भी शुरू की है। इससे उन नराकासों को आगे आने का अवसर मिलेगा, जो अपने क्षेत्र में राजभाषा के काम को बेहतर ढंग से आगे बढ़ा रही हैं। तकनीक के क्षेत्र में भी राजभाषा विभाग ने नई पहल की है। 'भारती - बहुभाषी अनुवाद सारथी' के माध्यम से हिंदी से भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद को आसान बनाने की दिशा में काम हुआ है। इसके साथ 'हिंदी शब्द-सिंधु' जैसे शब्दकोश को भी विकसित किया गया है। 'हिंदी शब्द-सिंधु' में विभिन्न भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य हिंदी को दूसरी भारतीय भाषाओं से जोड़ना है, न कि उनसे अलग करना। इन प्रयासों से साफ है कि राजभाषा का काम अब केवल सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग तक सीमित नहीं है। यह भाषा, तकनीक और भारतीय भाषाओं के बीच नए संबंध बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।

शाह के हिंदी प्रेम का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि वे हिंदी को भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय उनके साथ चलने वाली भाषा के रूप में देखते हैं। अमित शाह का हिंदी प्रेम हिंदी के विकास के साथ भारतीय भाषाओं के सम्मान और संरक्षण के रूप में आगे बढ़ता है। कहना न होगा कि यह दृष्टि भारतीय भाषायी एकता को मजबूत करनेवाली है। हिंदी की वास्तविक शक्ति उसकी आत्मीयता, समावेशिता और संवादधर्मिता में है। भारत में हिंदी का विस्तार तभी सार्थक होगा, जब वह दूसरी भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और संवाद का भाव लेकर आगे बढ़े। हिंदी का भारतीय भाषाओं से संबंध वर्चस्व का नहीं, आदान-प्रदान का होना चाहिए। भारतीय भाषाओं का इतिहास भी प्रतिस्पर्धा का इतिहास नहीं, बल्कि परस्पर आदान-प्रदान का इतिहास है।

## चुनाव विवाद पर चुनाव आयोग का फैसला, दोनों गुटों को मिले नए नाम और चुनाव चिह्न

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**पश्चिम बंगाल।** ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फुटबॉल खिलाड़ी' का चुनाव चिह्न दिया गया है, ताकि उसे पश्चिम बंगाल, मेघालय और त्रिपुरा राज्यों में एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का दर्जा मिल सके। अरूप रॉय के नेतृत्व वाले गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'लिफाफा' का चुनाव चिह्न दिया गया है। TMC पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर चुनाव आयोग के फैसले पर पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी ने कहा कि हम मिलकर फैसले लेते हैं... हमने कल रात ही लोगों से संपर्क करना शुरू किया और आज सुबह एक वर्चुअल मीटिंग हुई।

उन्होंने कहा कि हमने तीन नाम सुझाए थे: पहला, 'नेशनलिस्ट तृणमूल कांग्रेस'; दूसरा, 'वेस्ट बंगाल तृणमूल कांग्रेस'; और तीसरा, 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस'। चुनाव आयोग ने बताया कि पहले दो नाम क्यों नहीं दिए जा सकते और इसके बजाय तीसरा नाम दिया; हालाँकि, चुनाव चिह्न के मामले में हमें अपनी पहली पसंद मिल गई। चुनाव आयोग के फैसले की समझदारी पर टिप्पणी करना मेरा काम नहीं है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को मिले नाम पर उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी पार्टी की प्रकृति को दिखाता है जो किसी एक व्यक्ति के प्रभाव (कल्ट) से चलती है।

## 'हम खुद ऑफिस जाकर देखेंगे एनटीए का सिस्टम' नीट पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट का अहम बयान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नीट में ढांचागत सुधारों का सुझाव देने के लिए गठित नंदन नीलेकणि के नेतृत्व वाले उच्चाधिकार प्राप्त पैनल ने अपनी व्यापक चर्चा पूरी कर ली है। केंद्र ने अदालत को आश्वस्त किया है कि पैनल इस महीने के अंत तक अपनी पहली अंतरिम रिपोर्ट सौंपने की संभावना है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ को बताया कि सुधारों से जुड़े सभी सुझाव पैनल के समक्ष रख दिए गए हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि नंदन नीलेकणि पैनल ने इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. राधाकृष्णन के नेतृत्व वाली पिछली समिति के सदस्यों के साथ भी विस्तृत विचार-विमर्श किया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के उस संयुक्त सचिव को अदालत में हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है, जो नीलेकणि पैनल की सहायता कर रहे हैं। इस हलफनामे में अब तक उठाए गए सभी कदमों का ब्योरा देना होगा।

### व्यवस्था को संस्थागत बनाने पर सुप्रीम कोर्ट का जोर

पीठ ने सॉलिसिटर जनरल मेहता से कहा कि इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की पूरी प्रक्रिया को संस्थागत बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

पीठ ने स्पष्ट करते हुए कहा कि आपको यह पता होना चाहिए कि पूरी व्यवस्था का स्थायी होना ही मूल कुंजी है। इसमें एक स्थायी सेटअप, स्थायी कर्मचारी और स्थायी वर्टिकल्स होने चाहिए। प्रतिनियुक्ति पर काम करने वाले लोग बहुत कम होने चाहिए। जब यह सब होगा, तभी एक स्थायी और मजबूत ढांचा सामने आएगा।

### NTA के नए सिस्टम का दौरा करना चाहते हैं जज

सुनवाई के दौरान जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि वह और जस्टिस अराधे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की नई और अपग्रेड की गई फैसिलिटी का व्यक्तिगत तौर पर दौरा करना चाहेंगे, ताकि वहां के सिस्टम और व्यवस्था का परीक्षण किया जा सके। शिक्षा विभाग की ओर से बताया गया है कि एक नया अपग्रेड किया गया सिस्टम तैयार कर लिया गया है। इस पर मेहता ने अदालत को बताया कि ढांचे की कार्यप्रणाली का स्थायी होना सुनिश्चित कर लिया गया है। हालांकि, इस समय मानव संसाधनों की केवल आंशिक रूप से ही व्यवस्था हो पाई है।

### अगस्त में दिए गए थे निर्देश

इससे पहले 19 अगस्त को, सुप्रीम कोर्ट ने NTA में सुधारों को संस्थागत रूप देने की आवश्यकता पर जोर दिया था। अदालत ने केंद्र सरकार को यह बताने का निर्देश दिया था कि राधाकृष्णन पैनल और नीलेकणि समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। बता दें कि शीर्ष अदालत उन याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई कर रही है, जिसमें फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन की ओर से वकील तन्वी दुबे द्वारा दायर की गई याचिका भी शामिल है।

## गुजरात में शिंदे-शाह की मुलाकात ने महाराष्ट्र में राजनीतिक चचाएं बढ़ायीं

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** मुंबई, 18 सितंबर (वार्ता) महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच गुरुवार को गुजरात में हुई एक बैठक ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में नयी अटकलों को जन्म दे दिया है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब उच्चतम न्यायालय शिवसेना के नाम और चुनाव चिह्न के विवाद पर सुनवाई कर रहा है।

श्री शिंदे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए 17 सितंबर को गुजरात में थे। सूत्रों के अनुसार, श्री शिंदे और श्री शाह के बीच करीब 30 मिनट तक बैठक चली। इसमें हुई चर्चा के ब्योरे का खुलासा नहीं किया गया है। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय इस समय शिवसेना विवाद से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। हाल में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे पार्टी का नाम व 'धनुष-बाण' चिह्न आवंटित करने के चुनाव आयोग के फैसले के पहलुओं पर सवाल उठाये थे। मामले की अगली सुनवाई 22 सितंबर को तय की गयी है। सूत्रों का दावा है कि श्री शिंदे और श्री शाह की बातचीत में शिवसेना के नाम और चिह्न से जुड़ा मामला प्रमुखता से उठा। उन्होंने यह भी दावा किया कि दिशा सालियान मामले पर भी चर्चा हुई। वैसे बैठक में किन मुद्दों पर बात हुई, इसे लेकर दोनों में से किसी भी नेता की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी है। एशियाटिक सोसाइटी के एक कार्यक्रम में श्री शाह और श्री शिंदे को एक ही गाड़ी में सवार होकर जाते देखे जाने के बाद राजनीतिक हलचल और तेज हो गयी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, लेकिन वे अलग गाड़ी से पहुंचे थे।

## 'अपनी पार्टी का इतिहास भी नहीं जानते': भाजपा का राहुल पर पलटवार; विपक्षी दलों को खत्म करने का लगाया था आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया। पार्टी ने कहा कि राहुल गांधी जिन पार्टियों का नाम लेकर भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं, उन्हें उनके इतिहास की भी जानकारी नहीं है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, राहुल गांधी के बारे में देश में यह धारणा है कि उन्हें न देश के बारे में कुछ पता है। न समाज के बारे में कुछ पता है। न देश की संस्कृति के बारे में कुछ पता है और न ही देश के धर्म के बारे में कुछ पता है। लेकिन आज उन्होंने एक अद्भुत ट्वीट किया है। उससे लगता है कि उन्हें अपनी पार्टी के बारे में भी कुछ नहीं पता।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाते समय यह भी नहीं देखते कि जिन पार्टियों का वह नाम ले रहे हैं, वे कौन हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने एनसीपी, शिवसेना और तृणमूल कांग्रेस का नाम लेकर आरोप लगाया है कि भाजपा इन तीनों पार्टियों को खत्म कर रही है। कांग्रेसियों के लिए आदरणीय और देश के लिए निंदनीय राहुल गांधी जी, आप इतना भी नहीं पढ़ पाते कि एनसीपी का फुल फॉर्म नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी है। ये कांग्रेस से टूटी हुई है। भाजपा ने कहा कि शरद पवार विदेशी मूल के नेतृत्व के मुद्दे पर 1999 में कांग्रेस से अलग हुए थे।

भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वह अपनी ही पार्टी के इतिहास को नहीं जानते। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस का भी जिक्र किया। पार्टी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के नाम में ही कांग्रेस शब्द है। उन्होंने कहा, 1997 में ममता बनर्जी कांग्रेस के अंदर की परिस्थितियों के कारण अलग हुई थीं। इसके बाद उन्होंने तृणमूल कांग्रेस बनाई। भाजपा ने कहा कि इसके बाद ममता बनर्जी ने 'तृण' और 'मूल' से कांग्रेस को ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी को ये भी नहीं पता है कि उनके परिवार ने क्या-क्या कमाल किए हैं। मजेदार बात देखिए मात्र तीन साल पहले अशोक गहलोत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने जा रहे थे। अभी दो-तीन महीने पहले अशोक गहलोत का बयान है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनने दिया गया। निपटा दिया गया। किसने निपटाया? जो राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने जा रहे थे वो बागी खेमे में शामिल हो गए। ऐसे अद्भुत उदाहरण हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, आप देखिए, जनता पार्टी की सरकार बनी, चौधरी चरण सिंह जी के साथ धोखा किसने किया? भारत के इतिहास का इकलौता उदाहरण है कि चौधरी साहब को समर्थन दिया और संसद सत्र का सामना करने से पहले समर्थन वापस ले लिया।

### राहुल गांधी ने क्या कहा था?

कांग्रेस नेता एक्स पर एक पोस्ट में कहा था, पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। हर बार एक ही पैटर्न - भाजपा और निर्वाचन आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं। फिर उसका चुनाव चिह्न छीन लिया जाता है। जब पूरी की पूरी पार्टी चोरी हो सकती है, तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना भी हैरानी की बात नहीं।

उन्होंने कहा, वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी - ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं। निर्वाचन आयोग की सांविधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है, मगर उल्टा वो उन ताकतों की मदद कर रहा है, जो जनता के फैसले को ही पलट देते हैं। राहुल गांधी ने कहा, यह लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी जी की नहीं है। यह हर राजनीतिक दल, हर मतदाता की लड़ाई है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहता है।

## 37 लाख से अधिक वोटर लिस्ट अपील लंबित, सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग ने दी जानकारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नाम हटाए जाने या जोड़े जाने संबंधी 37 लाख से अधिक अपील अब भी लंबित हैं। निर्वाचन आयोग ने अपने जवाबी हलफनामे में कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित न्यायाधिकरणों ने अब तक दाखिल 38.20 लाख अपील में से करीब 1.02 लाख का ही निपटारा किया है।

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई की एसआईआर समिति के अध्यक्ष प्रसेनजीत बोस की याचिका पर 17 जुलाई को सुनवाई की थी। इतिहास याचिका में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए मतदाताओं की ओर से दाखिल दावों और आपत्तियों का विधानसभा क्षेत्रवार ब्योरा सार्वजनिक करने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने इस पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा था। निर्वाचन आयोग ने अपने हलफनामे में कहा कि मतदाता सूचियों के एसआईआर से संबंधित आदेशों के खिलाफ कुल 38,20,683 अपील दाखिल की गईं जिनमें से 1,02,231 अपील का निपटारा किया जा चुका है जबकि 37,18,452 अब भी लंबित हैं। हालांकि, हलफनामे में यह अलग-अलग ब्योरा नहीं दिया गया कि कितनी अपील मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ और कितनी नाम जोड़े जाने के खिलाफ दाखिल की गईं।

बोस ने याचिका में कहा था कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर के गणना चरण के दौरान 58 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से बाहर कर दिए गए थे।

उन्होंने कहा कि दावे और आपत्तियां दाखिल करने के चरण में नाम जोड़ने के लिए प्रपत्र छह और 6E के जरिये 9.64 लाख आवेदन तथा नाम हटाने के लिए प्रपत्र सात के जरिये 99,000 से अधिक आवेदन मिले थे लेकिन 28 फरवरी को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में केवल करीब 1.82 लाख नाम जोड़े गए।

## नंदीग्राम में भाजपा ने किया खेला? ममता की उम्मीदवार ने वापस लिया नाम, पहले शुभेंदु से की थी मुलाकात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में शुक्रवार को ममता बनर्जी के साथ बड़ा खेला हो गया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट की उम्मीदवार संचिता डे प्रधान ने अपना पर्चा वापस ले लिया। इससे पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की थी। दोनों के बीच कोलकाता में बैठक हुई। संचिता शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे शुभेंदु से मिलीं और दोनों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। इसके बाद उनके नामांकन वापस लेने की बात सामने आई।

### संचिता ने शुभेंदु से मुलाकात के बाद नामांकन क्यों वापस लिया?

संचिता डे प्रधान ने कुछ दिन पहले अखिल गिरि के साथ नंदीग्राम से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट की उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया था। उस समय उन्होंने मुश्किल समय में पार्टी का साथ नहीं छोड़ने का संदेश भी दिया था। शुक्रवार को वह अचानक शुभेंदु अधिकारी के घर पहुंचीं। मुलाकात के कारण को लेकर चर्चा शुरू हुई और बाद में पता चला कि उन्होंने उपचुनाव से अपना नाम वापस ले लिया है।

### नंदीग्राम में भाजपा उम्मीदवार कौन?

नंदीग्राम उपचुनाव में भाजपा ने शुभेंदु अधिकारी के पूर्व सहायक चंद्रनाथ रथ की मां हसीरानी रथ को उम्मीदवार बनाया है। चंद्रनाथ की हत्या राज्य में भाजपा की सरकार बनने के दो दिन बाद हुई थी। ऐसे में ममता गुट की उम्मीदवार का नामांकन वापस लेना नंदीग्राम के चुनावी मुकाबले में अहम घटनाक्रम माना जा रहा है।

### संचिता प्रधान की उम्मीदवारी पर क्या बोलीं ममता?

क्या संचिता प्रधान (डे) ने नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव से अपना नामांकन इसलिए वापस लिया क्योंकि पार्टी अब कांग्रेस का समर्थन कर रही है, ममता बनर्जी ने कहा कि नहीं, ऐसा नहीं है। हमने पहले ही कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला कर लिया था क्योंकि उनका उम्मीदवार अच्छा है।

### टीएमसी में गुटबाजी के बीच यह घटनाक्रम क्यों अहम?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में साफ तौर पर विभाजन सामने आया। ऋतब्रत बनर्जी ने ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग होकर अपना गुट बना लिया। इसके बाद असली टीएमसी के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर दोनों गुटों के बीच विवाद शुरू हुआ।

## संपादक की कलम

# अमेरिका की नई पैंतरेबाजी से डरने की जरूरत नहीं

ललित शर्मा
संपादक

विश्व राजनीति में शक्ति केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक आकार से निर्धारित नहीं होती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि कोई महाशक्ति अपने प्रभाव का इस्तेमाल किस प्रकार करती है। आज अमेरिका की व्यापार एवं प्रतिबंध नीति इसी कसौटी पर बहस के केंद्र में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने टैरिफ और आर्थिक प्रतिबंधों को विदेश नीति के प्रमुख उपकरणों के रूप में अधिक आक्रामक ढंग से इस्तेमाल किया है। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर संभावित 100 प्रतिशत तक टैरिफ का अधिकार देने वाला नया अमेरिकी विधेयक इसी बदलते रुख का ताजा उदाहरण है, लेकिन इस नये बिल के जरिये वह भारत पर दबाव नहीं बना सकता। भारत को इससे डरने की अपेक्षा नहीं है, क्योंकि नई बन रही विश्व-संरचना में यह बिल अधिक प्रभावी नहीं बन सकेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर 2026 को यह विधेयक पारित किया है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि 100 प्रतिशत टैरिफ स्वतः लागू नहीं हुआ है, विधेयक राष्ट्रपति को ऐसा शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत के संदर्भ में यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस भारत के ऊर्जा आयात का प्रमुख स्रोत बना हुआ है। अगस्त 2026 में भारत रूस से लगभग 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात कर रहा था। ऐसे में यदि अमेरिकी राष्ट्रपति इस अधिकार का इस्तेमाल करते हैं, तो इसका सीधा असर भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर पड़ सकता है और साथ ही भारत की ऊर्जा लागत पर भी दबाव बन सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। यहीं से असली सवाल उठता है-क्या व्यापारिक टैरिफ अब केवल व्यापार संतुलन सुधारने का साधन रह गए हैं या वे विदेश नीति को मनवाने का माध्यम भी बनते जा रहे हैं? अमेरिका और भारत के बीच व्यापार छोटा नहीं है। 2025 में दोनों देशों का वस्तु एवं सेवा व्यापार लगभग 239.6 अरब डॉलर रहा और अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार अमेरिका ने भारत से 103.8 अरब डॉलर की वस्तुएं आयात की। इसलिए किसी बड़े अतिरिक्त टैरिफ का असर केवल भारत पर नहीं पड़ेगा, अमेरिकी आयातकों, उपभोक्ताओं और दोनों देशों की कंपनियों पर भी उसका प्रभाव पड़ सकता है। भारत के लिए चुनौती दोहरी है। पहली चुनौती अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने की है और दूसरी ऊर्जा सुरक्षा की। यदि रूसी तेल पर निर्भरता अचानक घटानी पड़े तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में पहले से मौजूद अस्थिरता ऐसी स्थिति को और जटिल बना सकती है। दूसरी ओर अमेरिका को भी यह देखना होगा कि अत्यधिक टैरिफ से वैश्विक तेल आपूर्ति, कीमतों और अपने सहयोगी देशों के साथ आर्थिक संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसीलिए मौजूदा कानून में राष्ट्रपति के लिए राष्ट्रीय हित के आधार पर छूट की गुंजाइश भी रखी गई है। भारत की प्रतिक्रिया का महत्व यहीं बढ़ जाता है। भारत ने न तो किसी शक्ति-गुट के साथ अपने संबंध समाप्त करने की नीति अपनाई है और न ही अपने आर्थिक हितों को किसी एक देश की प्राथमिकताओं के अधीन करने की बात कही है। भारत का घोषित दृष्टिकोण ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, राष्ट्रीय हितों की रक्षा और सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संबंध बनाए रखना है। यही रणनीतिक स्वायत्तता बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी बन सकती है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में हाल में संपन्न 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखना उपयोगी होगा।

# सरकार का स्पर्श: मानसिक असंतुलन और असामान्य प्रतिक्रियाओं का उद्भव

एनके शर्मा
लेखक

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार केवल संसद, सचिवालय, कानून और प्रशासनिक आदेशों का नाम नहीं है। सरकार नागरिक के जीवन को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से छूती है-उसकी शिक्षा, रोजगार, आय, आवास, सुरक्षा, न्याय, सामाजिक सम्मान, भविष्य की आशा और यहां तक कि उसके मनोविज्ञान को भी। इसलिए जब शासन-व्यवस्था लगातार तनाव, असुरक्षा, अविश्वास, असमानता और अनिश्चितता पैदा करने लगे तो उसका प्रभाव केवल अर्थव्यवस्था या सामाजिक संबंधों तक सीमित नहीं रहता; वह मनुष्य के मानसिक संसार में भी प्रवेश करता है।

यहीं से एक गंभीर प्रश्न जन्म लेता है-क्या शासन की नीतियां और प्रशासनिक वातावरण समाज के सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं?

इसका उत्तर सरल हां या ना में देना उचित नहीं होगा, क्योंकि किसी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के पीछे जैविक, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक और व्यक्तिगत अनेक कारण होते हैं। लेकिन आधुनिक मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान यह स्पष्ट करता है कि गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, सामाजिक ध्रुवीकरण, हिंसा, विस्थापन और आर्थिक असुरक्षा जैसे संरचनात्मक दबाव मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सामाजिक और संरचनात्मक परिस्थितियों को मानसिक स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण निर्धारक माना है।

समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब नागरिक को यह अनुभव होने लगे कि व्यवस्था उसकी बात सुनने के बजाय उसे लगातार नियंत्रित कर रही है। सरकारी दफ्तर में महीनों चक्कर लगाना, न्याय पाने में वर्षों लग जाना, रोजगार की अनिश्चितता, बढ़ती जीवन-यापन लागत, सामाजिक सुरक्षा का अभाव, प्रशासनिक उदासीनता या निर्णयों में पारदर्शिता की कमी-ये घटनाएं अकेले किसी व्यक्ति को मानसिक रोगी नहीं बनातीं, लेकिन लगातार जमा होने वाला तनाव व्यक्ति के भीतर असहायता, क्रोध, निराशा और अविश्वास को जन्म दे सकता है।

मनुष्य केवल रोटी से नहीं, बल्कि सम्मान और न्याय की अनुभूति से भी जीता है। जब उसे लगता है कि उसकी आवाज का कोई मूल्य नहीं, उसका समय महत्वहीन है और उसकी शिकायत किसी फाइल से अधिक नहीं, तब प्रशासनिक समस्या धीरे-धीरे मनोवैज्ञानिक समस्या में बदल सकती है। आज दुनिया के अनेक लोकतंत्रों में राजनीतिक और सामाजिक तनाव स्वयं एक महत्वपूर्ण २३१२२ङ्क१ बन चुका है। उदाहरण के लिए, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के 2024 सर्वेक्षण में अमेरिका के 62 प्रतिशत वयस्कों ने अमेरिकी राजनीति को तनाव का महत्वपूर्ण स्रोत बताया, जबकि 60 प्रतिशत ने सामाजिक विभाजन को भी महत्वपूर्ण तनावकारक माना। यह आंकड़ा किसी दूसरे देश पर सीधे लागू नहीं किया जा सकता, लेकिन यह संकेत अवश्य देता है कि शासन और राजनीति का वातावरण नागरिकों की भावनात्मक दुनिया से अलग नहीं है।

राजनीति जब नागरिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रवेश करने लगती है तो समाज में 'हम' और 'वे' की मानसिकता मजबूत हो सकती है। विचार असहमति से आगे बढ़कर पहचान का प्रश्न बन जाता है। आलोचना को शत्रुता और समर्थन को निष्ठा समझे जाने लगता है। परिणामस्वरूप संवाद की जगह प्रतिक्रिया, तर्क की जगह उत्तेजना और तथ्य की जगह भावनात्मक धारणाएं लेने लगती हैं। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना आवश्यक है। किसी व्यक्ति का सरकार की आलोचना करना मानसिक असंतुलन नहीं है। लोकतंत्र में असहमति स्वस्थ और आवश्यक है। इसी प्रकार सरकार का समर्थन करना भी मानसिक असामान्यता का प्रमाण नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब सामाजिक और राजनीतिक तनाव इतना बढ़ जाए कि व्यक्ति हर घटना को भय, घृणा, क्रोध या षड्यंत्र की दृष्टि से देखने लगे और सामान्य संवाद की क्षमता कमजोर पड़ने लगे।

राज्य की भाषा भी नागरिक मन पर प्रभाव डालती है। शासन यदि नागरिक को अधिकार-संपन्न भागीदार के बजाय केवल लाभार्थी, आंकड़ा, मतदाता या प्रशासनिक इकाई के रूप में देखने लगे तो लोकतांत्रिक संबंधों में दूरी पैदा हो सकती है। इसके विपरीत, पारदर्शिता, जवाबदेही, सुनवाई, न्याय और सम्मान नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति विश्वास पैदा करते हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य की चर्चा केवल अस्पतालों, दवाओं और मनोचिकित्सकों तक सीमित करना एक बड़ी भूल है। हल्ड की 2025 की नीतिगत रूपरेखा स्पष्ट करती है कि मानसिक स्वास्थ्य को स्वास्थ्य विभाग से बाहर शिक्षा, रोजगार, आवास, सामाजिक सुरक्षा, न्याय, पर्यावरण और अन्य सरकारी क्षेत्रों की नीतियों से भी जोड़कर देखना चाहिए। सरकार का सबसे संवेदनशील दायित्व इसलिए केवल कानून बनाना नहीं, बल्कि ऐसा सामाजिक वातावरण बनाना भी है जिसमें नागरिक लगातार भय और असुरक्षा में न जिए। कानून व्यवस्था आवश्यक है, लेकिन उसके साथ न्याय की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। विकास आवश्यक है, लेकिन उसके साथ अवसरों की निष्पक्षता भी आवश्यक है। डिजिटल शासन आवश्यक है, लेकिन उसके साथ निजता और मानवीय गरिमा की रक्षा भी आवश्यक है। आर्थिक वृद्धि आवश्यक है, लेकिन उसके साथ सामाजिक सुरक्षा और मानवीय सम्मान भी आवश्यक हैं। आज डिजिटल युग ने इस समस्या को एक नया आयाम दिया है। सरकारों और राजनीतिक संस्थाओं की घोषणाएं, विवाद, निर्णय और प्रतिक्रियाएं कुछ ही सेकंड में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती हैं। लगातार संकटपूर्ण समाचार, आक्रामक राजनीतिक बहस और सामाजिक मीडिया की उत्तेजक सामग्री व्यक्ति के मन को निरंतर 'अलर्ट मोड' में रख सकती है। राजनीति से पूरी तरह दूर भागना भी समाधान नहीं, क्योंकि नागरिक सहभागिता लोकतंत्र का आवश्यक अंग है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक संघ से संबंधित शोध-समीक्षा ने भी राजनीतिक समाचारों से उत्पन्न तनाव और राजनीतिक सहभागिता के बीच इस जटिल संबंध की ओर संकेत किया है। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब व्यवस्था स्वयं नागरिकों के बीच अविश्वास को सामान्य बना दे। यदि हर संस्था संदिग्ध दिखाई देने लगे, हर निर्णय के पीछे स्वार्थ खोजा जाने लगे और हर असहमति को किसी षड्यंत्र का हिस्सा मान लिया जाए तो लोकतंत्र की संस्थागत नींव कमजोर होती है। अविश्वास का यह वातावरण केवल राजनीतिक समस्या नहीं रहता; यह सामाजिक मनोविज्ञान का संकट बन जाता है। लेकिन इसका समाधान सरकार-विरोधी या सरकार-समर्थक मानसिकता में नहीं है। समाधान है-विश्वसनीय शासन।

ऐसा शासन जो नागरिक को सुने। ऐसा प्रशासन जो शिकायत को बोझ न समझे। ऐसी न्याय-व्यवस्था जिसमें समय स्वयं अन्याय का उपकरण न बन जाए। ऐसी आर्थिक नीति जिसमें विकास के साथ मानवीय सुरक्षा भी हो। ऐसी राजनीतिक संस्कृति जिसमें विरोधी विचार को राष्ट्र-विरोधी या शत्रुतापूर्ण मानने के बजाय लोकतांत्रिक असहमति समझा जाए। और ऐसी सार्वजनिक संचार व्यवस्था जिसमें भय और उत्तेजना के बजाय तथ्य, स्पष्टता और जिम्मेदारी को प्राथमिकता मिले।

# एक बोली नहीं - निमाड़ की सदियों पुरानी साँस है निमाड़ी

प्रो. आरके जैन
लेखक

भाषा तब नहीं मरती जब उसके शब्द चुक जाते हैं; वह तब सूखने लगती है, जब लोग अपनी ही बोली बोलने में संकोच करने लगते हैं। इसलिए 19 सितंबर का निमाड़ी दिवस कोई तारीख भर नहीं, निमाड़ के स्वर को पहचानने और स्वाभिमान से जीने का दिन है। नर्मदा की लहरों से खेतों की मेड़ों तक, महेश्वर के घाटों से गाँव की चौपालों तक निमाड़ी केवल संवाद नहीं-मिट्टी में रची जीवन-दृष्टि है। अखिल निमाड़ लोक परिषद (अनिलोप) की पहल से जुड़ा यह दिवस किसी बोली को सम्मान देने भर का अवसर नहीं, बल्कि उस लोक-संस्कृति को नमन है, जिसने इतिहास, पुरातत्व, अध्यात्म और लोकजीवन को पीढ़ियों से सांस्कृतिक सूत्र में बाँधे रखा है। निमाड़ की स्मृति जब बोलती है, तो उसकी सबसे आत्मीय आवाज निमाड़ी में सुनाई देती है। प्राचीन अनूप जनपद (जो नर्मदा घाटी के आसपास फैला था) से आज के खरगोन, खंडवा, बड़वानी और बुरहानपुर तक फैला निमाड़ भू-भाग नहीं, इतिहास और लोकजीवन का संगम है, जहाँ सदियों की स्मृतियाँ साँस लेती हैं। यहाँ नर्मदा केवल नदी नहीं, रेवा है; महेश्वर केवल नगर नहीं, प्राचीन महिष्मती की स्मृति है; और ओंकारेश्वर-मांधाता केवल तीर्थ नहीं, आस्था और पुराकथाओं के केंद्र हैं। महेश्वर-नवदाटोली (नावड़ाटोली) के पुरातात्त्विक अवशेष नर्मदा घाटी की ताम्रपाषाणकालीन सभ्यता की गहराई और निरंतरता के साक्षी हैं। इसी धरती पर आर्य और अनार्य सांस्कृतिक धाराएँ मिलीं और विशिष्ट लोकसंस्कृति आकार पाई, जिसमें गणगौर के गीतों की गूँज, भागोरिया हाट का उल्लास, कलगी-तुर्रा की स्वर-स्पर्धा और नर्मदा के प्रति अटूट श्रद्धा एक सांस्कृतिक आत्मा में घुल गए-यही निमाड़ है, जहाँ इतिहास मिट्टी में, लोक स्मृति में और संस्कृति जीवन की धड़कन में जीवित है। निमाड़ी की पहचान केवल उसके शब्दों में नहीं, उन शब्दों से निकलती अपनी विशिष्ट ध्वनि में भी बसती है। शौरसेनी अपभ्रंश से जुड़ी इसकी भाषिक जड़ें राजस्थानी भाषा-परिवार और पश्चिमी हिंदी अंचल से संवाद करती हैं, तो मालवी, गुजराती, भीली और खानदेशी के संपर्क ने इसके शब्द-संसार को समृद्धि दी। विलंबित 'अ२' और प्राचीन 'ळ' जैसी ध्वन्यात्मक विशेषताएँ निमाड़ी को अलग पहचान देती हैं; 'मन२', 'मख२', 'काजळ', 'डोळो' जैसे शब्द केवल बोले हुए शब्द नहीं, निमाड़ की मिट्टी, स्मृति और संवेदना की आवाज हैं। 2011 की जनगणना में लगभग 23 लाख लोगों ने निमाड़ी को अपनी मातृभाषा बताया। यह आँकड़ा इसके सामाजिक विस्तार को भले न समेट पाए, लेकिन इतना कहता है कि निमाड़ी किसी सीमित गाँव की बोलचाल नहीं, एक व्यापक लोकसमुदाय की जीवित और अपनी पहचान बोलती हुई भाषा है। निमाड़ी का सबसे बड़ा साहित्य वह है, जो कागज पर उतरने से पहले लोकस्मृति में रचा गया। संत सिंगाजी के निर्गुण भजनों से खेतों के श्रमगीतों तक, सोहर से ऋतुगीतों तक, विवाह-धार्मिक गीतों से व्रतकथाओं तक-हर विधा में निमाड़ के जीवन का अनुभव और लोकस्मृति सुरक्षित है। पशु-पक्षियों की लोककथाएँ नीति-व्यवहार का बोध कराती हैं, तो लोकोक्तियाँ मौसम, पर्यावरण, श्रम और सामाजिक संबंधों का लोकज्ञान सँजोए हैं, जिसे पुस्तकालय में नहीं, जीवन में पढ़ा गया है। 'सदा नीरा, हर२ पीरा। गाँव मुलुक, म२ जड़२ हीरा' जैसी पंक्तियाँ लोकबुद्धि की विरासत हैं, जिनमें साधारण शब्दों में असाधारण जीवन-दृष्टि छिपी है और जिसे आधुनिक ज्ञान की भाषा में समझने की जरूरत है। संत परंपरा, चित्रकला, लोकनृत्य और नर्मदाष्टक जैसी अभिव्यक्तियाँ इस संसार को विस्तार देती हैं-मानो निमाड़ी साहित्य किताबों से अधिक लोगों की आवाज, स्मृति और जीवन-पद्धति में जीवित हो।

निमाड़ी की असली ताकत बड़े शब्दों में नहीं, छोटी आत्मीयताओं में है, जहाँ भाषा रिश्ते में बदल जाती है। खेत से लौटते किसान का संबोधन, देहरी पर बुजुर्गों की कहावत और दूर मुंबई या भोपाल में बसे किसी निमाड़ी का माँ से कहना-'भला तो'-मिट्टी से जुड़ाव जगा देता है। जन्म से विवाह तक निमाड़ी गीतों की मौजूदगी सांस्कृतिक निरंतरता की साक्षी है। कलगी-तुर्रा जैसी लोकपरंपराएँ मनोरंजन नहीं, सामुदायिक संवाद और स्मृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखने वाली लोक-संस्थाएँ हैं। संत सिंगाजी से आधुनिक निमाड़ी साहित्य तक की यात्रा बताती है कि भाषा ने रूप बदले, पर आत्मा नहीं छोड़ी। महादेव प्रसाद चतुर्वेदी का 'अम्मर बोल' निमाड़ी साहित्य की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है, वहीं रामनारायण उपाध्याय जैसे विद्वानों ने निमाड़ी के क्षेत्र और साहित्यिक वैभव को दस्तावेजी रूप देने में योगदान दिया। इसलिए निमाड़ी दिवस को केवल सांस्कृतिक आयोजन, सम्मान समारोह या स्मरण का दिन मानना पर्याप्त नहीं। अखिल निमाड़ लोक परिषद 1953 से निमाड़ी के उत्थान से जुड़ी है और 2001 से चली सम्मान परंपरा में सैकड़ों कलाकारों, साहित्यकारों और लोक-कलाकारों को सम्मानित किया गया है। निमाड़ी-हिंदी शब्दकोश और व्याकरण भाषा को अध्ययन, लेखन और संरक्षण की जमीन देते हैं। अब जरूरत है कि मानकीकरण के साथ क्षेत्रीय विविधताओं की अस्मिता भी बची रहे। साहित्य, शिक्षा, शोध, डिजिटल माध्यम, ऑडियो-वीडियो अभिलेखन और नई पीढ़ी के रचनात्मक प्रयोगों में निमाड़ी की उपस्थिति बढ़े-तभी वह विरासत में मिली भाषा भर नहीं, आने वाली पीढ़ियों की अपनी आवाज बनकर बोलेगी।

आज की बड़ी चुनौती है कि शिक्षा, प्रशासन और रोजगार में हिंदी-अंग्रेजी का प्रभाव बढ़ रहा है। यह निमाड़ी के लिए चुनौती जरूर है, पर संभावना भी-क्योंकि बहुभाषिक समाज में मातृभाषा और संपर्क-भाषा साथ फल सकती हैं। निमाड़ी को बचाना हिंदी या अंग्रेजी से दूरी नहीं, जड़ों से नाता बनाए रखना है। नर्मदा, नीम, खेत, लोकगीत, औषधीय परंपरा और पर्यावरणीय अनुभवों से बुना इसका शब्द-संसार आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का भंडार है। इसलिए 19 सितंबर का संदेश सीधा है-निमाड़ी को संग्रहालय में सुरक्षित करने से अधिक जरूरी है उसे घर में बोलना, विद्यालय में सुनाना, साहित्य में रचना और डिजिटल दुनिया में जिलाए रखना। जिस दिन अगली पीढ़ी बिना संकोच कहेगी-'अपनी-अपनी निमाड़ी सबसे प्यारी'-उस दिन निमाड़ी दिवस केवल मनाया नहीं जाएगा, अपनी मिट्टी की आवाज बनकर जिया जाएगा।

## मैं हूँ क्रोधी

उदय कशोर साह

कविता

दुश्मन भी रोयेगें मेरे गुजर। जाने के बाद
क्योंकि मैं करता हूँ सदैव सिद्धान्त की बात
अनिति का मैं हूँ कट्टर ही एक विरोधी
सत्य वचन बोलने का मैं हूँ मानसिक रोगी

मेरे विचार से जिनका मिल जाता है विचार
वो सज्जन की तर्क को मैं करता स्वीकार
बेईमानों का मैं हूँ कट्टर ही एक विरोधी
सत्य पथ का हूँ मैं एक जग में भोगी

झूठों का जहाँ पे भी लगता है दरबार
उस गली से गुजरना ना है हमें यार
धुर्त जनों का हूँ मैं कट्टर ही एक वरोधी
सत्य कर्म ने बना दी है हमें भी योगी

बिना लाट लपेट की करता हूँ मैं बात
बेबाकी को रखता हूँ मैं नित्य ही साथ
षड़यंत्रकारी का हूँ मैं कट्टर एक वरोधी
सत्य विचार ने बना दी है एक क्रोधी

साफगोई का मैं सदैव करता हूँ प्रणाम
चाहे भुगतना पड़े कोई भी अंजाम
छ्ल बल कल का हूँ मैं कट्टर विरोधी
सत्य बात पे बन जाता हूँ जग में दोषी

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

# क्या टूटने की कगार पर है यूनाइटेड किंगडम?

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक

इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के मेल से बना यूनाइटेड किंगडम किसी एक दिन में अस्तित्व में नहीं आया। सदियों के युद्ध, राजनीतिक समझौते और कानूनी संधियों के बाद इसका वर्तमान स्वरूप बना। लेकिन अब इसी संघ के भीतर अलग-अलग राष्ट्रीय पहचान और राजनीतिक आकांक्षाएं मजबूत हो रही हैं। स्कॉटलैंड में स्वतंत्रता की मांग, उत्तरी आयरलैंड में आयरलैंड गणराज्य के साथ पुनः एकीकरण की बढ़ती भावना और वेल्स में अधिक स्वायत्तता की इच्छा ने लंदन की केंद्र सरकार के सामने गंभीर संवैधानिक चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

यूनाइटेड किंगडम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य है तथा जी7 और नाटो में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में यदि उसका कोई बड़ा हिस्सा अलग होता है, तो ब्रिटेन के वैश्विक प्रभाव पर भी असर पड़ सकता है। इसके अलावा मुद्रा, व्यापार शुल्क, राष्ट्रीय कर्ज और संपत्तियों के बंटवारे जैसे सवाल अलग होने की स्थिति में जटिल आर्थिक विवाद पैदा कर सकते हैं।

## सदियों में बना ब्रिटेन

यूनाइटेड किंगडम का निर्माण कई ऐतिहासिक चरणों में हुआ। 13वीं शताब्दी में इंग्लैंड ने वेल्स पर विजय प्राप्त की। इसके बाद 1536 से 1542 के बीच पारित एक्ट्स ऑफ यूनियन के जरिए वेल्स को प्रशासनिक रूप से इंग्लैंड के साथ जोड़ दिया गया।

इसके बाद 1707 के एक्ट ऑफ यूनियन के तहत इंग्लैंड और स्कॉटलैंड की संसदों का विलय हुआ और ग्रेट ब्रिटेन अस्तित्व में आया। हालांकि इस एकीकरण के बावजूद स्कॉटलैंड ने अपनी अलग कानूनी व्यवस्था, जिसे स्कॉट्स लॉ कहा जाता है, अपनी शिक्षा प्रणाली और धार्मिक पहचान को काफी हद तक बनाए रखा।

1801 में पूरे आयरलैंड को भी यूनाइटेड किंगडम में शामिल कर लिया गया। लेकिन 20वीं शताब्दी की शुरूआत में सशस्त्र राष्ट्रवादी संघर्ष के बाद 1921 में आयरलैंड का विभाजन हुआ। दक्षिण का बड़ा हिस्सा स्वतंत्र होकर रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड बना, जबकि प्रोटेस्टेंट बहुल उत्तरी भाग नॉर्दर्न आयरलैंड यूनाइटेड किंगडम के साथ बना रहा। इस तरह कागज पर एक देश दिखाई देने वाला यूनाइटेड किंगडम वास्तव में चार अलग-अलग ऐतिहासिक राष्ट्रीय पहचानों का संघ है।

## स्कॉटलैंड में स्वतंत्रता की मांग

वर्तमान संवैधानिक संकट में सबसे प्रमुख मुद्दा स्कॉटलैंड की स्वतंत्रता का है। यह मांग अचानक पैदा नहीं हुई है, बल्कि दशकों से चली आ रही राजनीतिक प्रक्रिया का परिणाम है। स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के मजबूत होने के साथ स्वतंत्रता का सवाल स्कॉटिश राजनीति के केंद्र में आ गया।

स्कॉटलैंड में असंतोष के पीछे कई कारण बताए जाते हैं। स्कॉटिश मतदाता सामान्यतः वामपंथी या मध्यवामपंथी यानी सोशल डेमोक्रेटिक दलों की ओर अधिक झुकते रहे हैं। इसके विपरीत वेस्टमिंस्टर यानी लंदन में लंबे समय तक कंजरवेटिव पार्टी की सरकारें रही हैं। इसलिए स्कॉटलैंड के एक वर्ग को लगता है कि जिस सरकार को उन्होंने वोट नहीं दिया, वही उनके लिए महत्वपूर्ण फैसले लेती है। इसके अलावा स्कॉटलैंड के पास उत्तरी सागर में तेल और गैस के पर्याप्त भंडार हैं और वह नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। स्वतंत्रता समर्थकों का मानना है कि अलग राष्ट्र बनने पर स्कॉटलैंड अपने प्राकृतिक संसाधनों का नियंत्रण स्वयं कर सकता है और नॉर्वे की तरह एक समृद्ध कल्याणकारी राज्य का निर्माण कर सकता है।

1999 में स्कॉटिश संसद की पुनर्स्थापना के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कई क्षेत्रों में स्कॉटलैंड ने अपनी नीतियां बनाईं। स्वतंत्रता समर्थक इसे अपने स्तर पर शासन चलाने की क्षमता के प्रमाण के रूप में देखते हैं।

## 2014 का ऐतिहासिक जनमत संग्रह

स्कॉटलैंड की जनता स्वतंत्रता चाहती है या यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा बनी रहना चाहती है, यह जानने के लिए 18 सितंबर 2014 को ऐतिहासिक जनमत संग्रह कराया गया। इसमें लगभग 56 प्रतिशत लोगों ने स्वतंत्रता के खिलाफ और 44 प्रतिशत ने स्वतंत्रता के पक्ष में मतदान किया। मतदान प्रतिशत करीब 84.6 रहा, जो असाधारण रूप से ऊंचा था।

उस समय ब्रिटिश सरकार ने इस जनमत संग्रह को वनस इन ए जनरेशन यानी एक पीढ़ी में एक बार होने वाली घटना के रूप में प्रस्तुत किया था। इसके बाद दोबारा जनमत संग्रह कराने की मांग उठती रही, लेकिन ब्रिटिश सरकार ने इसे मंजूरी नहीं दी।

## ब्रेक्जिट ने बढ़ाया मतभेद

2016 का ब्रेक्जिट जनमत संग्रह यूनाइटेड किंगडम के आंतरिक राजनीतिक मतभेदों को और गहरा करने वाला साबित हुआ। पूरे ब्रिटेन में 52 प्रतिशत मतदाताओं ने यूरोपीय संघ (एव) छोड़ने के पक्ष में मतदान किया था, लेकिन चारों हिस्सों के परिणाम अलग-अलग थे। इंग्लैंड में 53 प्रतिशत मतदाताओं ने एव छोड़ने के पक्ष में मतदान किया, जबकि 47 प्रतिशत इसके साथ बने रहने के पक्ष में थे। वेल्स में 52.5 प्रतिशत ने एव छोड़ने और 47.5 प्रतिशत ने बने रहने के पक्ष में मतदान किया। इसके विपरीत स्कॉटलैंड में 62 प्रतिशत मतदाताओं ने एव में बने रहने का समर्थन किया और केवल 38 प्रतिशत ने बाहर निकलने के पक्ष में मतदान किया। उत्तरी आयरलैंड में भी करीब 56 प्रतिशत लोगों ने एव के साथ बने रहने और 44 प्रतिशत ने बाहर निकलने के पक्ष में मतदान किया।

### दवा सुरक्षा और प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग को लेकर

# सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

वेलकम इंडिया/हरेन्द्र शर्मा

**हापुड़।** जनपद के पिलखुवा स्थित अनवरपुर गांव में छठे राष्ट्रीय फामाकोविजिलेंस सप्ताह के अवसर पर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हापुड़ के फामाकोलॉजी विभाग द्वारा 'प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया भरने एवं पीवीपीआई को रिपोर्ट करने पर जागरूकता कार्यक्रम एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला' का सफल आयोजन किया गया।कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा विद्यार्थियों, नर्सिंग स्टाफ एवं फैकल्टी सदस्यों को प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं (एडीआर) की पहचान, दस्तावेजीकरण, फॉर्म भरने एवं रिपोर्टिंग की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना तथा औषधि सुरक्षा एवं तर्कसंगत औषधि उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एनसीसी, आईपीसी, गाजियाबाद, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की पहचान, आवश्यक जानकारी का दस्तावेजीकरण, एडीआर फॉर्म भरने तथा भारत के फामाकोविजिलेंस कार्यक्रम (पीवीपीआई) के अंतर्गत रिपोर्टिंग की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संस्थान की प्रधानाचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट मेजर जनरल डॉ. चरनजीत सिंह अहलूवालिया, सीनियर एडवाइजर ब्रिगेडियर डॉ. आर. के. सहगल, जनरल मैनेजर श्री एन. वर्धराजन तथा डायरेक्टर श्री रघुवार दत्त सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य, स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी तथा नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि दवाओं के उपयोग के दौरान होने वाली प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की समय पर पहचान एवं सही रिपोर्टिंग मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। फामाकोविजिलेंस रोगी सुरक्षा, दवा की गुणवत्ता, तर्कसंगत औषधि उपयोग एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।कार्यशाला में प्रतिभागियों को सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया फॉर्म भरने तथा उसकी रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। इससे विद्यार्थियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को एडीआर की पहचान और समयबद्ध रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल विकसित करने का अवसर मिला।प्रशिक्षण सत्र के बाद फामाकोविजिलेंस एवं प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग विषय पर एक इंटरैक्टिव क्विज का भी आयोजन किया गया। इसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा नर्सिंग स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्विज के माध्यम से प्रतिभागियों के ज्ञान को परखने के साथ-साथ फामाकोविजिलेंस से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को सहभागितापूर्ण तरीके से दोहराया गया।कार्यक्रम का समन्वय डॉ. कविता धर बगाती, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, फामाकोलॉजी विभाग द्वारा अपनी टीम के साथ किया गया। आयोजन में डॉ. शाकिता फातिमा, डॉ. तबिंदा नजीर, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. अंकित अग्रवाल, डॉ. सोनाक्षी सिंह, डॉ. तरुण शर्मा, डॉ. श्रेया सक्सेना, डॉ. श्याम सुंदर, डॉ. उत्कर्ष हरि, डॉ. अखिलदास, डॉ. सुरभि एवं डॉ. दीपक ने सक्रिय भूमिका निभाई।कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजकों ने संस्थान के माननीय चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन एवं वाइस-चेयरपर्सन डॉ. रम्या रामचंद्रेन के निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों में दवा सुरक्षा एवं प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यशाला के सफल आयोजन के साथ सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने सुरक्षित दवा उपयोग, रोगी सुरक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने फामाकोविजिलेंस की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की समयबद्ध एवं प्रभावी रिपोर्टिंग के महत्व को जाना।

## दीप जलाकर और मिठाई खिलाकर मनाया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

**चांदपुर।** विधानसभा 23 चांदपुर से प्रत्याशी डॉ. अनिल सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को 'सेवा संकल्प अभियान' के रूप में मनाया। इस अवसर पर नूरपुर रोड, चांदपुर स्थित उनके कैंप कार्यालय एवं भगवंत पब्लिक स्कूल परिसर में स्थापित सरस्वती माता मंदिर में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई।

कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस उत्साहपूर्वक मनाया और उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएँ दीं। डॉ. अनिल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाना समाजसेवा और जनकल्याण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर है। उन्होंने सेवा, जनकल्याण एवं राष्ट्रहित के कार्यों में निरंतर योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया।

## हरित हापुड़-समृद्ध हापुड़ अभियान: गांव-गांव और वार्ड-वार्ड हुआ हरिशंकरी का रोपण

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

**हापुड़।** 'हरित हापुड़-समृद्ध हापुड़' अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जनपद हापुड़ में गांव-गांव और वार्ड-वार्ड हरिशंकरी के पौधों का रोपण किया गया। जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं लोक भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभियान के तहत पीपल, बरगद और पिलखन को मिलाकर हरिशंकरी का रोपण किया गया।लोक भारती के क्षेत्र संयोजक एवं पर्यावरणविद् भारत भूषण गर्ग ने हरिशंकरी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लोक भारती ने अगले पांच वर्षों में पूरे उत्तर प्रदेश को हरिशंकरी से आच्छादित करने का संकल्प लिया है। उन्होंने बताया कि हरिशंकरी में उत्तर दिशा में बरगद, पूर्व दिशा में पीपल तथा पश्चिम दिशा में पिलखन का पौधा लगाया जाता है। यह पौधों का समूह पर्यावरण संरक्षण, पक्षियों के आश्रय और छायादार स्थल के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में पीपल और वट वृक्ष का विशेष महत्व रहा है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता में वृक्षों में स्वयं को पीपल बताया है। वहीं वट वृक्ष को भारतीय परंपरा में दीर्घायु और संरक्षण का प्रतीक माना जाता है।अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न ब्लॉकों और नगर क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। झड़ीना में एसडीएम गढ़मुक्तेश्वर श्रीराम यादव, खंड विकास अधिकारी विजय कुमार, लोक भारती जिला संयोजक टीकम सिंह एवं तहसील संयोजक गुरप्रीत सिंह मौजूद रहे। बहादुरगढ़ में महाराजा अग्रसेन सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य राजेश कुमार शर्मा की उपस्थिति रही।सिंभावली ब्लॉक के ग्राम बक्सर स्थित कंपोजिट विद्यालय में खंड विकास अधिकारी श्रुति सिंह, लोक भारती के सह प्रांत संयोजक मूलचंद आर्य एवं हरिशंकरी अभियान के जिला संयोजक भारत भूषण गर्ग उपस्थित रहे। हापुड़ में लोक भारती के जिला समन्वयक अमित कौशिक व गुलशन त्यागी, पिलखुवा नगर पालिका में कृष्ण पाल सिंह एवं सुनील बंसल की मौजूदगी में पौधरोपण किया गया। धौलाना विकासखंड में खंड विकास अधिकारी सुधीर कुमार, एडीओ पंचायत अमित कुमार, लोक भारती प्रतिनिधि सूबेदार जगदीश सिंह चौहान एवं विनोद कुमार ने सहभागिता की। गढ़ नगर पालिका में अधिशासी अधिकारी पवित्रा त्रिपाठी, विधायक हरेन्द्र सिंह तेवतिया, संस्था प्रतिनिधि उमेश सेनरा, राजीव लोचन शर्मा, मनीष वत्स तथा महाराजा अग्रसेन सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य राजेश शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर लोक भारती के जिला प्राकृतिक कृषि प्रमुख सूबेदार जगदीश सिंह चौहान ने कविता प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्साह और जोश का संचार किया। अभियान के तहत जनपद के विभिन्न स्थानों पर हरिशंकरी के पौधे लगाए गए और लोगों से इनके संरक्षण का आह्वान किया गया।

## पहचान छिपाकर शादी करने के बाद चोरी करने वाली दुल्हन गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

**हापुड़।** सिम्भावली। थाना सिम्भावली पुलिस ने पहचान छिपाकर शादी करने के बाद घर से आभूषण आदि चोरी कर फरार होने की घटना का खुलासा करते हुए आरोपी दुल्हन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्ता के कब्जे से चोरी किए गए आभूषण तथा फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्ता ने अपने फरार सहयोगी साथी लक्ष्मण के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से पहचान छिपाई थी। उसने सीमा नाम बदलकर ग्राम लिसड़ी निवासी विनोद से शादी की। शादी के बाद मौका पाकर अभियुक्ता घर से आभूषण आदि लेकर फरार हो गई थी। थाना सिम्भावली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दुल्हन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस फरार सहयोगी लक्ष्मण की तलाश में जुटी है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी अरविंद कुमार के नेतृत्व में की गई।

## आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय सहगामी प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

**हापुड़।** आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, हापुड़ में शुक्रवार को एनसीईआरटी नई दिल्ली के निर्देशन में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत पाठ्य सहगामी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. श्वेता पुठिया ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किए। जिला विद्यालय निरीक्षक ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि पाठ्य सहगामी गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा इनके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा एवं अभिव्यक्ति कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों एवं रचनात्मक कार्यों का सूक्ष्मता से अवलोकन करते हुए उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन किया। लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज हापुड़ की छात्राओं, द्वितीय स्थान राजकीय हाईस्कूल लालपुर की छात्राओं तथा तृतीय स्थान कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय धौलाना की छात्राओं ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. टीना (ए.के.पी.आई.सी.), द्वितीय स्थान कु. राफिया (जे.के.पी.आई.सी.) तथा तृतीय स्थान भावना (एस.एस.वी.आई.सी.) ने प्राप्त किया। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जुबैरिया (जे.के.पी.आई.सी.), द्वितीय स्थान पायल (हिन्दू कन्या इंटर कॉलेज) तथा तृतीय स्थान अभिषेक सैनी (सर्वोदय इंटर कॉलेज) ने प्राप्त किया।प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता की संयोजिका एवं प्रभारी प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना गौतम ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नोडल अधिकारी कु. शिल्पी अग्रवाल, सह-नोडल रितु गोस्वामी, रामकुमार सहित विद्यालय परिवार का सहयोग रहा।

## नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाकर दुष्कर्म का आरोप, नामित अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

**हापुड़।** थाना हाफिजपुर पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने तथा दुष्कर्म के मामले में नामित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अभियोग दर्ज था और वह मामले में वांछित चल रहा था।थाना हाफिजपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामित अभियुक्त को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि नाबालिग से संबंधित मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी हाफिजपुर अतुल चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

## दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने बाइक और ट्रैक्टर में मारी टक्कर

### बाइक सवार दंपती समेत चार लोग घायल, पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया; हादसे से कुछ देर यातायात प्रभावित

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

**हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर।** दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार की बाइक और पंचर की दुकान पर खड़े ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दंपती समेत फॉर्च्यूनर में सवार दो लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे फॉर्च्यूनर कार दिल्ली की ओर से मुरादाबाद की तरफ जा रही थी। इसी दौरान गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में कार की एक बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक से टकराने के बाद फॉर्च्यूनर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पंचर की दुकान पर पहुंच गई और वहां पंचर लगवा रहे ट्रैक्टर से भी जा भिड़ी। दुर्घटना में बाइक सवार सरूरपुर निवासी जाहिद और उनकी पत्नी इकराना खातून घायल हो गए। वहीं फॉर्च्यूनर में सवार चालक वीरेंद्र तिवारी और मिथलेश शर्मा को भी चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाने के साथ हादसे के कारणों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार के कारण फॉर्च्यूनर अनियंत्रित हुई।

## पीयूष अरोड़ा को विश्व हिंदू महासंघ का प्रदेश मंत्री मनोनीत किया

**चांदपुर (वेलकम इंडिया)।** विश्व हिंदू महासंघ की सनातन रक्षा वाहिनी के प्रदेश मंत्री रहे पियूष अरोड़ा को मेन बॉडी विश्व हिंदू महासंघ का प्रदेश मंत्री मनोनीत किया गया। विश्व हिंदू महासंघ का प्रदेश मंत्री की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति एवं प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राणा की सहमति से हुई। पीयूष अरोड़ा लगभग 9 वर्षों से भी अधिक समय से विश्व हिंदू महासंघ से जुड़े हुए हैं पीयूष अरोड़ा को प्रदेश मंत्री बनने के बाद उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई और बधाई देने वालों का तांता लग गया पीयूष अरोड़ा ने अपने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

## डॉ वीरेंद्र सिंह सर्जन की ओर से निशुल्क चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

**नूरपुर।** नूरपुर विधानसभा 24 से भारतीय जनता पार्टी के संभावित प्रत्याशी डॉ वीरेंद्र सिंह सर्जन की ओर से उनके कैंप कार्यालय चांदपुर रोड नूरपुर में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें दिल की तमाम बीमारियों का निशुल्क परामर्श दिया जाएगा। नूरपुर विधानसभा से भाजपा के संभावित प्रत्याशी डॉ वीरेंद्र सिंह सर्जन ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि आगामी 27 सितंबर 2026 दिन रविवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत नूरपुर विधानसभा के रोगियों के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें दिल की तमाम बीमारियों के रोगियों का निशुल्क परामर्श मेरठ मेडिकल कॉलेज में कार्यरत हृदय रोग विभाग के अध्यक्ष व प्रोफेसर तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाने वाले हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ राहुल कुमार एमबीबीएस, एमडी, कार्डियोलॉजी द्वारा किया जाएगा तथा शिविर में आने वाले रोगियों की खून की जांच जैसे ब्लड शुगर, बीएमआई, लिक्विड प्रोफाइल आदि दिल की जांच, ब्लड प्रेशर, दिल की जांच ई सी जी आदि भी निशुल्क किए जाएंगे । डॉ वीरेंद्र सिंह सर्जन ने बताया कि वह क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए हर समय तैयार है डॉक्टर वीरेंद्र सिंह सर्जन गांव गांव जाकर लोगों से मिल रहे हैं क्षेत्र के लोगों का कहना है कि अगर भारतीय जनता पार्टी उन्हें टिकट देती है तो वह निश्चित ही विजय हासिल करेंगे।

## बछलौता फ्लाईओवर पर सड़क हादसा, मां और चार माह के मासूम की दर्दनाक मौत

### मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने के बाद अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, पिता-पुत्री घायल

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

**हापुड़।** थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के नए हाईवे पर बछलौता फ्लाईओवर के पास शुक्रवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में महिला और उसके चार माह के मासूम बेटे की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक समेत उसकी पांच वर्षीय बेटी घायल हो गई।जानकारी के अनुसार, दिनांक 18 सितंबर 2026 को करीब शाम 5:50 बजे मोटरसाइकिल संख्या वढ21इल्4887 (अपाचे) पर अकरम पुत्र खुर्शीद (40 वर्ष), उसकी पत्नी शबाना (35 वर्ष), चार माह का पुत्र अली हमजा तथा पांच वर्षीय पुत्री जुबिया नूर निवासी तुमरिया कला, थाना ठाकुरद्वारा, जनपद मुरादाबाद सवार थे। बताया गया कि परिवार अपने घर से दिल्ली के जैतपुर स्थित नौकरी पर जा रहा था।बाबूगढ़ क्षेत्र के बछलौता फ्लाईओवर, नए हाईवे पर भूसे से लदी गाड़ी को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में शबाना पत्नी अकरम और चार माह के मासूम अली हमजा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अकरम और उसकी पांच वर्षीय पुत्री जुबिया नूर घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से देवनंदिनी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर मोर्चरी पहुंचाया गया। पुलिस द्वारा पंचायतनामा की कार्रवाई करते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और हादसे के कारणों की जांच में जुटी है।

# चांदी के कमल पुष्प और शेषनाग पर विराजेंगे गिरिराज

## सोने-चांदी, हीरे-मोती समेत नवरत्नों से होगा भव्य श्रृंगार, 25 सितंबर को होगा अलौकिक छप्पन भोग

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मथुरा/गोवर्धन।** गोवर्धन की गिरि तलहटी में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर 25 सितंबर को आयोजित होने वाले अलौकिक छप्पन भोग महोत्सव के लिए गिरिराज प्रभु को विधिवत आमंत्रण दिया गया। इस वर्ष छप्पन भोग महोत्सव में गिरिराज प्रभु चांदी से निर्मित कमल पुष्प और शेषनाग पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का भव्य लोकार्पण श्रीकृष्ण सभागार में आयोजित समारोह में गिरिराज सेवा समिति के संस्थापक मुरारी अग्रवाल ने किया। लोकार्पण समारोह से पूर्व गिरिराज प्रभु की छवि के समक्ष समिति के संस्थापक मुरारी अग्रवाल और महामंत्री अशोक कुमार आढ़ती ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इसके बाद ब्रज के प्रसिद्ध कलाकार आशू शर्मा के निर्देशन में राधा-कृष्ण के नृत्य और महारास की जीवंत प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। राधा-कृष्ण की मनोहारी लीलाओं को देखकर श्रद्धालु कृष्ण भक्ति में झूम उठे। देर रात तक चले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

अलौकिक छप्पन भोग महोत्सव के मुख्य संयोजक राघवेन्द्र गर्ग ने बताया कि 25 सितंबर को बड़ी आन्यौर परिक्रमा मार्ग स्थित गिरि तलहटी में आयोजित होने वाले दिव्य छप्पन भोग की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गिरि तलहटी को भव्य रूप से सजाने के लिए देशी कुंड और विदेशी फूल मंगाए गए हैं। आयोजन स्थल पर आकर्षक पुष्प सज्जा के साथ भक्तों के लिए विशेष आध्यात्मिक वातावरण तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गिरिराज प्रभु का भव्य श्रृंगार सोने-चांदी के आभूषणों के साथ ही हीरे, मोती, पन्ना, नीलम, पुखराज, माणिक, मूंगा सहित नवरत्नों से किया जाएगा। वैष्णव संप्रदाय के पंडित शरद मुखिया द्वारा प्रभु का विशेष श्रृंगार कराया जाएगा। इसके साथ ही पंचरत्नम महाभिषेक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सात पवित्र नदियों के जल, कामधेनु गाय के दूध और दुर्लभ जड़ी-बूटियों का प्रयोग किया जाएगा। महोत्सव के तहत 24 सितंबर की शाम सात बजे से स्वामी हरिदास संगीत समारोह का आयोजन होगा। इसमें देश के प्रसिद्ध संतूर वादक के साथ विभिन्न राज्यों से आने वाले कलाकार अपनी सांगीतिक प्रस्तुतियां देंगे। संगीत समारोह के माध्यम से ब्रज की भक्ति, संगीत और संस्कृति की अद्भुत छटा देखने को मिलेगी। मुख्य आयोजन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन छप्पन भोग के रूप में होगा। इस अवसर पर शुद्ध गाय के घी से वैष्णव विधि-विधान के अनुसार 56 प्रकार के भोग प्रसाद तैयार किए जाएंगे। गिरिराज प्रभु के अलौकिक स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं के लिए दोपहर चार बजे से रात्रि 12 बजे तक व्यवस्था रहेगी। आमंत्रण पत्रिका के लोकार्पण समारोह में संरक्षक राजेंद्र कुमार सर्राफ रुन्ना, कोषाध्यक्ष भगवान दास खंडेलवाल, संयोजक अनमोल बंसल, संयोजक दिनेश मंगल, सहसंयोजक नितिन अग्रवाल, सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक कृष्ण कुमार कन्नू, दिनेश सादाबाद, हरीश अग्रवाल गिलट वाले, विनय अग्रवाल अंगूठी वाले, सुनील बंसल, महावीर अग्रवाल निवाड़ वाले, राकेश गर्ग आढ़ती, पंकज जौहरी, दीपक बाटी, महेश मानसरोवर, दिनेश मार्विल, देवेश सर्राफ, तुषार हाथी वाले, संजय जिंदल, अमित मार्विल, नरेंद्र अग्रवाल, लल्लू सिंह सहित समिति के पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## राधाष्टमी पर गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में जाम, डीग अड्डा पर यातायात व्यवस्था पर उठे सवाल

**मथुरा/गोवर्धन (वेलकम इंडिया)।** राधाष्टमी पर्व पर गिरिराज महाराज की परिक्रमा लगाने के लिए उमड़े श्रद्धालुओं के चलते शुक्रवार को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। सबसे अधिक जाम की स्थिति डीग अड्डा पर बनी। वाहनों की लंबी कतारों के चलते श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान डीग अड्डा पर अंदरूनी क्षेत्र में प्रवेश के लिए आधार कार्ड अथवा आईडी दिखाने वाले स्थानीय लोगों को भी प्रवेश नहीं दिया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एक ओर आईडी दिखाने के बावजूद उन्हें रोका जा रहा था, वहीं दूसरी ओर हरियाणा और दिल्ली नंबर की गाड़ियों को डीग अड्डा से अंदर प्रवेश दिया जा रहा था। इससे मौके पर मौजूद लोगों में नाराजगी देखने को मिली। यातायात व्यवस्था संभालने के लिए पुलिस प्वाइंट पर पुलिसकर्मी मौजूद थे, लेकिन इसके बावजूद वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित नहीं हो सकी। बाहर से आने वाले वाहनों के प्रवेश और ई-रिक्शा व अन्य वाहनों की आवाजाही के कारण डीग अड्डा पर जाम की स्थिति लगातार बनी रही। जाम में फंसे श्रद्धालुओं को काफी देर तक परेशानी झेलनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने यातायात व्यवस्था में एकरूपता बरतने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि किसी मार्ग पर वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध है तो उसका पालन सभी वाहनों पर समान रूप से होना चाहिए।

## श्री राधाष्टमी मेले को लेकर जिलाधिकारी और कप्तान की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण ब्रीफिंग बैठक हुई आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मथुरा/बरसाना।** पीडब्ल्यूडी के निरीक्षण भवन सभागार में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राधाष्टमी मेले में तैनात सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ब्रीफिंग के दौरान भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल और साफ-सफाई को लेकर विस्तृत कार्य योजना पर चर्चा हुई। डीएम और एसएसपी ने कहा कि मेले को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना ही प्रशासन की पहली प्राथमिकता ब्रीफिंग बैठक के बाद जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बरसाना मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने श्रीजी मंदिर परिसर से लेकर परिक्रमा मार्ग, मुख्य मेला स्थल और पार्किंग क्षेत्रों तक पैदल भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बैरिकेडिंग, सीसीटीवी, कंट्रोल रूम और लाउडस्पीकर व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के दौरान डीएम ने संबंधित विभागों को मार्गों की मरम्मत और प्रकाश व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए, तो वहीं एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों को महिला सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर अलर्ट रहने को कहा।

## सीएचसी सेमरियावां में बारिश बनी आफत

## गंदे पानी के बीच से गुजरने को मजबूर मरीज और तीमारदार, व्यवस्थाओं की उधड़ी परतें

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सेमरियावां में जरा सी बारिश ने जिम्मेदार अधिकारियों के दावों की हवा निकाल दी है। अस्पताल परिसर में जल निकासी का माकूल इंतजाम न होने से पूरा परिसर टापू में तब्दील हो गया है।

### गंदे पानी से होकर जाने की मजबूरी

अस्पताल के मुख्य द्वार से लेकर अंदर तक घुटनों तक पानी भर गया है। इलाज कराने आ रहे मरीजों, गर्भवती महिलाओं और उनके साथ आए तीमारदारों को इस गंदे पानी के बीच से पैदल चलकर जाना पड़ रहा है। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि लोग अपने जूते-चप्पल हाथों में लेकर और कपड़ों को संभालते हुए किसी तरह अंदर जाने की जद्दोजहद कर रहे हैं।

### संक्रमण फैलने का बढ़ा खतरा

एक तरफ जहां लोग बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ परिसर में ठहरे जलभराव से जलजनित बीमारियों और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है।

### स्थानीय लोगों में आक्रोश

क्षेत्रीय लोगों और तीमारदारों का कहना है कि हल्की बारिश में ही जल निकासी की पोल खुल जाती है। अस्पताल प्रशासन और जिम्मेदार नुमाइंदों की अनदेखी के कारण हर साल बरसात में यही आलम देखने को मिलता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जलभराव की समस्या का जल्द से जल्द स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

## सड़क पर पेड़ गिरने से आवागमन घंटो रहा अवरुद्ध

### बीएमसीटी बस्ती- मेहदावल मार्ग के दुधारा का मामला

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** शुक्रवार दोपहर तेज आंधी और बारिश के दौरान बीएमसीटी बस्ती-मेहदावल मार्ग पर दुधारा चौराहे के पास सड़क किनारे खड़ा एक विशाल पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। पेड़ के सड़क पर गिरते ही मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। इस दौरान मार्ग से गुजर रहे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पेड़ के अचानक गिरने से सड़क का बड़ा हिस्सा पूरी तरह ढक गया, जिसके कारण छोटे-बड़े वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया। कुछ राहगीरों ने पेड़ के आसपास से निकलने का प्रयास किया, लेकिन रास्ता बंद होने के कारण उन्हें भी काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। मार्ग पर आवागमन बाधित होने से लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी हुई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पेड़ को सड़क से हटाने का प्रयास शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद पेड़ की डालियों और तने को काटकर सड़क से हटाया गया, जिसके बाद मार्ग पर यातायात बहाल हो सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश और तेज हवाओं के दौरान सड़क किनारे खड़े पुराने एवं कमजोर पेड़ों से हादसे की आशंका बनी रहती है। उन्होंने संबंधित विभाग से ऐसे पेड़ों की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

## प्राथमिक विद्यालय दलौता के छात्र-छात्राओं ने अक्षय पात्र का किया शैक्षिक भ्रमण

**मथुरा (वेलकम इंडिया)।** शुक्रवार को विकासखंड चौमुंहा के अंतर्गत ग्राम दलौता के प्राथमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं ने शिक्षकों के साथ अक्षयपात्र की रसोई एवं चंद्रोदय मंदिर का शैक्षिक भ्रमण किया। इसका उद्देश्य बच्चों को मध्याह भोजन की तैयारी और उसकी स्वच्छता के बारे में बच्चों को एकाग्रता एवं जागरूकता कराना आवश्यक था। वृंदावन में स्थित श्री चंद्रोदय भगवान के दर्शन कर आनंद प्राप्त किया तथा प्रांगण एवं मंदिर की साफ सफाई स्वच्छता एवं अक्षय पात्र की स्वच्छता एवं सुंदरता को देखकर छात्राओं का मन प्रफुलित हो गया। और सभी छात्राओं ने स्वादिष्ट बना हुआ भरपेट खाना खाया। भ्रमण के दौरान अक्षय पात्र डिस्ट्रीब्यूशन सुपरवाइजर हेमलता सारस्वत एवं मोहन पहलवान जी द्वारा रसोई घर की समस्त छात्राओं को भोजन बनाने की प्रक्रिया साथ-साथ स्वच्छता का विशेष ध्यान एवं उनसे संबंधित अनेक जानकारियां दी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश चंद ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण से बच्चों में ज्ञान व्यवहारिक स्वच्छता एवं अनेक चीजों के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। शैक्षिक भ्रमण के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश चंद एवं सहायक अध्यापक तथा शिक्षामित्र ममता कुमारी मौजूद रही।

## उत्तराखंड के 100 प्रमुख ट्रेक रूट्स की होगी जीपीएस/जीआईएस मैपिंग: पुष्कर धामी

### सीएम धामी ने तकनीकी सर्वेक्षण के लिए अभियान दल को किया रवाना, ट्रेकिंग पर्यटन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने पर जोर

वेलकम इंडिया/ओ.पी. उनियाल

**देहरादून।** उत्तराखंड में साहसिक एवं ट्रेकिंग पर्यटन को नई गति देने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कैंप कार्यालय से उत्तराखंड के 100 प्रमुख ट्रेक एवं हाइक रूट्स की जीपीएस और जीआईएस मैपिंग तथा तकनीकी सर्वेक्षण के लिए जाने वाले अभियान दल को फ्लैग ऑफ किया। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से गठित यह टीम चयनित ट्रेकिंग मार्गों का स्थलीय सर्वेक्षण करेगी और उनकी विस्तृत जीपीएस/जीआईएस मैपिंग तैयार करेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में साहसिक एवं ट्रेकिंग पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। राज्य के प्रसिद्ध ट्रेकिंग क्षेत्रों के साथ-साथ दूरस्थ और कम प्रसिद्ध ट्रेक रूट्स को भी व्यवस्थित रूप से पर्यटन मानचित्र पर लाने की आवश्यकता है। इसके लिए आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जीपीएस और जीआईएस आधारित मैपिंग की यह पहल राज्य में ट्रेकिंग गतिविधियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के लिए पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। ट्रेक रूट्स की वैज्ञानिक एवं तकनीकी मैपिंग होने से ट्रेकर्स को मार्ग, दूरी, दिशा और अन्य आवश्यक जानकारियां आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। इसके साथ ही किसी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव दल को संबंधित स्थान तक पहुंचने और बचाव अभियान संचालित करने में भी काफी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता और हिमालयी क्षेत्र देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। सरकार का प्रयास है कि पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ राज्य की संवेदनशील हिमालयी पारिस्थितिकी का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। ट्रेकिंग रूट्स का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करते समय पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना का लाभ केवल पर्यटन क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राज्य के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ट्रेकिंग मार्गों के विकसित और लोकप्रिय होने से स्थानीय युवाओं के लिए गाइड, होमस्टे संचालक, परिवहन, भोजन, साहसिक पर्यटन और अन्य पर्यटन गतिविधियों से जुड़े रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के क्रियान्वयन में स्थानीय लोगों की सहभागिता को प्राथमिकता दी जाए, ताकि पर्यटन विकास का सीधा लाभ पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों तक पहुंच सके। सचिव पर्यटन धीराज गर्ब्याल ने बताया कि ट्रेक रूट्स की मैपिंग के आधार पर ऑफलाइन एवं ऑनलाइन जीपीएस नेविगेशन ऐप विकसित किया जाएगा। इसकी विशेषता यह होगी कि नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में भी ट्रेकर्स अपने मोबाइल फोन पर ट्रेल और रूट से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि परियोजना के सफल क्रियान्वयन के बाद उत्तराखंड ऑफलाइन एवं ऑनलाइन जीपीएस नेविगेशन ऐप विकसित करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा।

## परीक्षा को सुचितापूर्ण, शान्तिपूर्ण एवं नकलविहीन सम्पन्न कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया

### डीएलएड परीक्षा की तैयारी को लेकर हुई बैठक

वेलकम इंडिया/मुहम्मद परवेज अख्तर

**संतकबीरनगर।** सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज एवं जिलाधिकारी महोदय, संतकबीरनगर के आदेश के क्रम में डी0एल0एड0 (बी0टी0सी0) परीक्षा सितम्बर, 2026 हेतु प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, संतकबीरनगर के प्राचार्य डॉ0 नरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में केन्द्र व्यवस्थापकों/स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं पर्यवेक्षकों की बैठक जिला षिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, संतकबीरनगर के कार्यालय में बैठक आहूत की गयी। बैठक में परीक्षा से सम्बन्धित दिशनिर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दी गयी एवं परीक्षा को सुचितापूर्ण, शान्तिपूर्ण एवं नकलविहीन सम्पन्न कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

जनपद में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा हेतु 05 केन्द्रों-राजकीय कन्या इण्टर कालेज खलीलाबाद, हीरालाल राम निवास इ0का0 खलीलाबाद, मौलाना आजाद इ0का0 खलीलाबाद, नेहरू कृशक इ0का0 खलीलाबाद एवं पी0बी0 गर्ल्स इण्टर कालेज खलीलाबाद पर दिनांक 21-09-2026 से 23-09-2026 तक कुल 2064 परीक्षार्थियों तथा तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा हेतु 06 केन्द्रों- राजकीय कन्या इण्टर कालेज खलीलाबाद, हीरालाल राम निवास इ0का0 खलीलाबाद, मौलाना आजाद इ0का0 खलीलाबाद, नेहरू कृशक इ0का0 खलीलाबाद, पी0बी0 गर्ल्स इण्टर कालेज खलीलाबाद एवं सरदार पटेल इण्टर कालेज भदांह पर दिनांक 24-09-2026 से 26-09-2026 तक कुल 2245 परीक्षार्थियों की परीक्षा होनी है। जनपद में कुल 4309 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

## सास की हत्या में बहू को आजीवन कारावास

**मथुरा।** मकान हड़पने के लिए सास की हत्या करने वाली बहू को जिला एवं सत्र न्यायालय ने बृहस्पतिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जबकि महिला के साथी को साक्ष्यों के अभाव में दोष मुक्त कर दिया। धौलपुर की भामतीपुरा रोड, डिफेंस कॉलोनी निवासी अशोक वर्मा ने 7 दिसंबर 2014 में गोविंद नगर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि उनकी सास सावित्री देवी निवासी गली पातीराम थाना गोविंदनगर आर्यसमाज से स्कूल से शिक्षिका पद से सेवानिवृत्त होने के बाद अपनी बेटी सुमन के पास धौलपुर में रहती थी। कभी-कभी वह अपनी नातिन आध्या के पास कोटा राजस्थान चली जाती थी। साथ-साथ वह मथुरा के अपने निजी मकान पर भी आती रहती थी। चामुंडा कालोनी में एक मकान आदित्य वर्मा और सावित्री देवी के नाम है। उस मकान में आदित्य की दूसरी पत्नी सीता रहती है। आदित्य का करीब सात वर्ष से विवाद चल रहा था।

## सड़क किनारे अतिक्रमण पर चला यातायात पुलिस का अभियान

### ठेले, अवैध वाहन पार्किंग और अनियमित वाहन स्टैंड हटवाए, यातायात नियमों के प्रति लोगों को किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात अमित कुमार के निकट पर्यवेक्षण में शुक्रवार को यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाने के साथ ही आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

प्रभारी यातायात परमहंस के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम ने बरदहिया चौकी के सामने पुरानी सब्जी मंडी रोड तथा दीघा बाईपास क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान सड़क एवं फुटपाथ के किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेलों को हटवाया गया। इसके साथ ही अनियमित तरीके से की गई वाहन पार्किंग तथा अवैध रूप से संचालित वाहन स्टैंड को भी हटवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु कराया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। वाहन चालकों को समझाया गया कि दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाकर वाहन न चलाएं, बिना नंबर प्लेट के वाहन का संचालन न करें और नशे की हालत में किसी भी स्थिति में वाहन न चलाएं। इसके अलावा स्कूल वाहनों में निर्धारित यातायात नियमों का पालन करने तथा वाहन को निर्धारित गति सीमा के भीतर चलाने के लिए भी लोगों को जागरूक किया गया। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ अपने परिवारजनों, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों को भी वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें। पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। यातायात पुलिस के इस विशेष अभियान से सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने के साथ यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने का प्रयास किया गया। पुलिस ने आगे भी यातायात नियमों के उल्लंघन और सड़क पर अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही।

# पूर्व जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद डॉ. छत्रपाल संभाल चुके डिप्टी सीएमओ का चार्ज

## 2020 में एमओआईसी पद पर दोबारा नियुक्त न करने का आदेश, बाद में जिला अस्पताल में मिली डिप्टी सीएमओ की जिम्मेदारी

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पीलीभीत।** स्वास्थ्य विभाग में डॉ. छत्रपाल को जिम्मेदारियां दिए जाने का मामला एक बार फिर चर्चा में है। वर्ष 2020 में तत्कालीन जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव द्वारा उन्हें भविष्य में एमओआईसी पद पर नियुक्त न किए जाने का आदेश जारी किए जाने की बात सामने आई थी। इसके बावजूद बाद के वर्षों में डॉ. छत्रपाल को जिला अस्पताल में डिप्टी सीएमओ की जिम्मेदारी दिए जाने का मामला भी सामने आ चुका है। अब बिलसंडा सीएचसी में एमओआईसी की जिम्मेदारी दिए जाने की बात सामने आने से पुराने आदेश के अनुपालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं।बताया गया कि 24 जून 2020 को तत्कालीन डीएम वैभव श्रीवास्तव के निरीक्षण में तत्कालीन एमओआईसी डॉ. छत्रपाल गैरहाजिर मिले थे। निरीक्षण के दौरान अन्य कर्मचारी भी अनुपस्थित पाए गए थे।इसके बाद तत्कालीन डीएम ने डॉ. छत्रपाल को भविष्य में एमओआईसी पद पर नियुक्त नहीं किए जाने का आदेश जारी किया था।इसके बाद तत्कालीन सीएमओ डॉ. आलोक कुमार शर्मा के कार्यकाल में डॉ. छत्रपाल को जिला अस्पताल में डिप्टी सीएमओ की जिम्मेदारी दिए जाने की बात सामने आई। उन्होंने डिप्टी सीएमओ का चार्ज भी संभाला। बाद में इस जिम्मेदारी से हटाए जाने की बात भी सामने आई थी। ऐसे में अब बिलसंडा सीएचसी में एमओआईसी की जिम्मेदारी मिलने से वर्ष 2020 के आदेश की स्थिति और उसके अनुपालन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हाल ही में सीएमओ डॉ. बीसी पंत की ओर से डॉ. छत्रपाल को बिलसंडा सीएचसी का एमओआईसी बनाए जाने की बात सामने आई है। सवाल यह है कि तत्कालीन डीएम के आदेश के बावजूद एमओआईसी की जिम्मेदारी दिए जाने का आधार क्या है और इसके लिए किस स्तर से अनुमति अथवा आदेश जारी हुआ।विभाग में डॉ. छत्रपाल की राजनीतिक पकड़ और अधिकारियों के संरक्षण को लेकर चचाएं भी होती रही हैं। हालांकि इन चचाओं की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वर्ष 2018 में पीलीभीत में तैनाती के दौरान उन्हें पूरनपुर सीएचसी में एमओआईसी की जिम्मेदारी दी गई थी।

### डिप्टी सीएम के समक्ष पहुंचा मामला

पुराने डीएम के आदेश और वर्तमान तैनाती से जुड़ा मामला डिप्टी सीएम के समक्ष भी पहुंच गया है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर प्रशासन की ओर से लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं। ऐसे में अब निगाह इस बात पर है कि संबंधित अधिकारी पुराने आदेश, डॉ. छत्रपाल की पूर्व जिम्मेदारियों और बिलसंडा में वर्तमान तैनाती की प्रक्रिया को लेकर क्या कार्रवाई करते हैं। वर्तमान तैनाती किस आदेश और नियम के तहत की गई है, इसकी आधिकारिक स्थिति संबंधित विभागीय अभिलेखों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

# गाय को निशाना बनाने दौड़ा बाघ, बची जान

## टोपी फार्म में गुरुद्वारा साहिब के समीप दिखा वन्यजीव, ग्रामीणों में बढ़ा भय

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पूरनपुर/पीलीभीत।** ट्रांस शारदा क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में दहशत बढ़ती जा रही है। ग्राम पंचायत कबीरगंज के टोपी फार्म में गुरुद्वारा साहिब के समीप खेत में एक पालतू गाय पर बाघ के हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में वन्यजीव की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। वायरल वीडियो में खेत के बीच एक बाघ दिखाई दे रहा है।

इसी दौरान बाघ अचानक वहां मौजूद पालतू गाय की ओर झपटता नजर आता है। बाघ को अपनी ओर आता देख गाय घबरा जाती है और पीछे हटते हुए खुद को बचाने का प्रयास करती है। कुछ ही क्षणों में गाय बाघ की पकड़ से निकलकर सुरक्षित स्थान की ओर भाग जाती है। इस दौरान वह गंभीर हमले की चपेट में आने से बाल-बाल बच गई।

वीडियो में बाघ की गतिविधि सामने आने के बाद टोपी फार्म और आसपास के इलाकों में ग्रामीणों के बीच चर्चा तेज हो गई है। किसानों और पशुपालकों का कहना है कि ट्रांस शारदा क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही पहले भी सामने आती रही है। ऐसे में खेतों में काम करने वाले लोगों के साथ ही पशुओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है।ग्रामीणों का कहना है कि खेतों और आबादी के आसपास बाघ की गतिविधि की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग को निगरानी बढ़ानी चाहिए। संवेदनशील स्थानों पर गश्त बढ़ाने के साथ बाघ की लोकेशन पर नजर रखी जाए, ताकि उसकी गतिविधियों का पता लगाया जा सके।ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में सक्रिय निगरानी, गश्त और आवश्यकतानुसार कैमरों के माध्यम से बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है। साथ ही किसानों और पशुपालकों से खेतों में अकेले जाने से बचने तथा विशेष सतर्कता बरतने की अपील किए जाने की मांग की गई है।फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

# गुरुद्वारा नानक साहिब में लगा निशुल्क चिकित्सा शिविर

## 52 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर बांटी गईं दवाएं, बदलते मौसम में सतर्कता बरतने की दी सलाह

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**हजारा/पीलीभीत।** ट्रांस शारदा क्षेत्र के ग्राम सिद्धनगर स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा नानक साहिब खजूरिया सिद्धनगर शुक्रवार को स्वास्थ्य जागरूकता और सेवा का केंद्र बना। जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी पीलीभीत डॉ. राजीव शर्मा के निर्देश तथा प्रभारी चिकित्साधिकारी भगवानपुरी भगीरथ, पीलीभीत डॉ. नीलम यादव के नेतृत्व में गुरुद्वारा परिसर में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे करीब 52 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के बाद मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श देने के साथ निशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।शिविर के दौरान चिकित्सकों ने बदलते मौसम को देखते हुए ग्रामीणों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने मौसम परिवर्तन के दौरान होने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। ग्रामीणों को घर और आसपास साफ-सफाई रखने, खानपान में सावधानी बरतने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न करने के लिए जागरूक किया गया। चिकित्सकों ने समय से स्वास्थ्य विशेषज्ञ की सलाह लेने पर भी जोर दिया, जिससे बीमारी को गंभीर होने से पहले नियंत्रित किया जा सके।प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. नीलम यादव ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिविर लगाया गया। उन्होंने कहा कि शिविर में मरीजों की जांच कर आवश्यक उपचार और दवाएं दी गईं। ग्रामीणों से अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार के लक्षण नजर आने पर समय से चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की गई। शिविर में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. नीलम यादव, योग प्रशिक्षक बलविंदर सिंह और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नरेंद्र कुमार मौजूद रहे। गुरुद्वारा परिसर में स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य जांच और दवा मिलने से ग्रामीणों को काफी लाभ मिला। ग्रामीणों ने निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करने पर स्वास्थ्य विभाग का आभार जताया।इस दौरान गुरुद्वारा साहिब के जत्थेदार बाबा दीपा सिंह, जत्थेदार बाबा नवजोत सिंह, कार्यवाहक ग्रंथी बाबा तलविंदर सिंह काहलों, प्रधान रणजीत सिंह, मैनेजर साहब सिंह, गुरमेज सिंह, जसपाल सिंह, तलविंदर सिंह खानियां, जीत सिंह टिब्भा सहित तमाम सेवादार मौजूद रहे।

### पिपरिया माजरा में गूंजा कबड्डी का जोश, नवाबगंज ने जीता बाबा सुखदेव सिंह स्मृति कप

# पुरुष वर्ग में 40 अंक के साथ मीरी पीरी खालसा अकैडमी प्रथम, रामदास पंजाब 18 अंक के साथ रही उपविजेता

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पूरनपुर/पीलीभीत।** पिपरिया माजरा में बाबा सुखदेव सिंह जी की स्मृति में विशाल कबड्डी कप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग की टीमों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन और रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। मैदान में खिलाड़ियों की जोरदार भिड़ंत के दौरान तालियों की गूंज सुनाई देती रही।पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में मीरी पीरी खालसा अकैडमी, नवाबगंज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 40 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान हासिल किया। बाबा बुड्ढा साहिब क्लब, रामदास पंजाब की टीम 18 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। विजेता टीम को 71 हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया।महिला वर्ग में भी मीरी पीरी खालसा अकैडमी की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। बाबा दीप सिंह क्लब, पूरनपुर की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। महिला मुकाबले में सिमरनजीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके प्रदर्शन की दर्शकों ने तालियों के साथ सराहना की। चढ़दी कला टीम की ओर से सिमरनजीत कौर को गोल्ड रिंग पहनाकर सम्मानित किया गया।महिला वर्ग की विजेता टीम को 21 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 15 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।आयोजकों ने कहा कि बाबा सुखदेव सिंह जी की स्मृति में आयोजित कबड्डी कप का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता के माध्यम से युवा शक्ति, अनुशासन, आपसी भाईचारे और स्वस्थ जीवन का संदेश भी दिया गया।आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्रवासियों, चढ़दी कला, एनआरआई तथा नानक नाम लेवा संगत का सहयोग रहा। आयोजकों ने खिलाड़ियों, टीमों, दर्शकों और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

# त्योहारों पर अवैध शराब के खिलाफ आबकारी का शिकंजा, मलिहाबाद में 10 लीटर कच्ची शराब बरामद

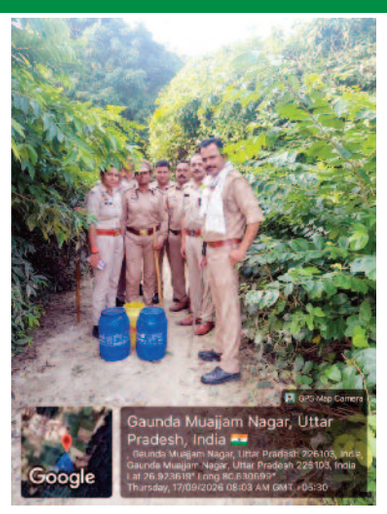

**वेलकम इंडिया/समर्थ कुमार सक्सेना**

**लखनऊ।** आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत अपर मुख्य सचिव आबकारी उत्तर प्रदेश शासन, आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश एवं पुलिस कमिश्नर लखनऊ तरुण गाबा व जिलाधिकारी लखनऊ विशाख.जी के आदेश के क्रम में संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जोन सुभाष चंसीद्र सोनकर, उप आबकारी आयुक्त प्रभार प्रदीप दुबे के निर्देशन में तथा जिला आबकारी अधिकारी करुणेन्द्र सिंह सचान के पर्यवेक्षण में अवैध मदिरा के निर्माण बिक्री परिवहन की रोकथाम हेतु निम्नानुसार टीमों द्वारा कृत प्रवर्तन/दबिश कार्यवाही आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 मलिहाबाद अखिलेश चौधरी द्वारा मय स्टाफ तथा थाना रहीमाबाद पुलिस फोर्स के साथ थाना रहीमाबाद क्षेत्रान्तर्गत ग्राम औलियाखेड़ा व उसके आसपास संदिग्ध स्थलों एवं बागों में संयुक्त दबिश और छापेमारी की गयी। दबिश और छापेमारी के दौरान मौके से लगभग 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गयी और लगभग 50 किलोग्राम लहन मौके पर नष्ट करते हुए आबकारी अधिनियम की संसुगत धाराओं में एक अभियोग पंजीकृत किया गया।

आबकारी निरीक्षक सेक्टर 10 लखनऊ नेहा कुमारी द्वारा देशी शराब दुकान किशोरगंज , देशी शराब दुकान न्यू पारा रोड,देशी शराब दुकान लक्ष्मनविहार पारा रोड ,कंपोजिट शॉप- पारा रोड का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। अरविन्द पाल बघेल आबकारी निरीक्षक सेक्टर 4 द्वारा बार अनुज्ञापनो का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। राहुल सिंह आबकारी निरीक्षक सेक्टर 11 व राम श्याम त्रिपाठी आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 3 द्वारा स्टॉफ के साथ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रात्रिकालीन रोड चेकिंग की जा रही है।

### सपा के 129 विधानसभा महासचिव निशान अहमद ने दिया इस्तीफा

# जगदेव सिंह जग्गा को जिलाध्यक्ष पद से हटाए जाने पर जताई नाराजगी, कार्यकर्ताओं के सम्मान को बताया प्रमुख कारण

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पूरनपुर/पीलीभीत।** समाजवादी पार्टी में संगठनात्मक बदलाव के बीच 129 विधानसभा क्षेत्र के महासचिव निशान अहमद ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजते हुए मौजूदा परिस्थितियों में पद पर बने रहने में असहजता जताई है। इस्तीफे के बाद स्थानीय स्तर पर पार्टी संगठन में चचाओं का दौर शुरू हो गया है।इस्तीफा पत्र में निशान अहमद ने कहा कि वह लंबे समय से समाजवादी पार्टी के प्रति निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करते रहे हैं। उन्होंने पूर्व जिला अध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि विपक्ष के कठिन दौर में उन्होंने कार्यकताओं को साथ लेकर संगठन के लिए लगातार संघर्ष किया।निशान अहमद ने जगदेव सिंह जग्गा को जिलाध्यक्ष पद से हटाए जाने के निर्णय पर दुख और निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से संगठन के लिए मेहनत और निष्ठा से कार्य करने वाले कार्यकताओं की भावनाओं को भी संगठनात्मक निर्णयों में महत्व मिलना चाहिए। उनके अनुसार कार्यकताओं का सम्मान और उनकी भावनाएं संगठन की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने अपने इस्तीफे को किसी व्यक्तिगत पद, लाभ या स्वार्थ से प्रेरित नहीं बताया। निशान अहमद ने कहा कि उन्होंने कार्यकताओं की भावनाओं और उनके सम्मान के प्रति अपनी जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी नेतृत्व के प्रति उनका सम्मान कायम है।निशान अहमद ने अपने इस्तीफा पत्र में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा कायम रहने की बात भी कही है। हालांकि, उन्होंने मौजूदा संगठनात्मक परिस्थितियों में 129 विधानसभा महासचिव के पद पर कार्य जारी रखने में असहजता जताई।सपा में हाल में हुए संगठनात्मक बदलावों के बाद पीलीभीत जनपद की राजनीति में पार्टी के अंदर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। निशान अहमद का इस्तीफा भी इसी क्रम में देखा जा रहा है। उनके इस निर्णय के बाद स्थानीय कार्यकताओं और पार्टी पदाधिकारियों के बीच इसे लेकर चचाएं तेज हो गई हैं।

# विश्वकर्मा जयंती पर श्रद्धा और उत्साह से रोशन हुआ विद्यालय

## अनिल सक्सेना ने विद्यार्थियों को मेहनत, लगन और ईमानदारी का दिया मंत्र

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पूरनपुर/पीलीभीत।** जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, माधोटांडा में भगवान विश्वकर्मा जयंती श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाई गई। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भगवान विश्वकर्मा जी का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। शिक्षक- शिक्षिकाओं और विद्यालय कर्मचारियों ने पूजा-अर्चना में सहभागिता कर सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार सक्सेना ने भगवान विश्वकर्मा जी के जीवन, कर्म, कौशल एवं निर्माण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृजन, निर्माण और तकनीकी कौशल का प्रतीक माना जाता है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्य के प्रति मेहनत, लगन, ईमानदारी और समर्पण का भाव रखना चाहिए। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और अपने कार्य को बेहतर ढंग से करने की भावना से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अंदर कौशल विकसित करने और भविष्य में देश व समाज के निर्माण में सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक शिव ओम तिवारी, कृष्णकांत, कपिल कुमार, प्रीति राज, रजनी कुमारी, सुरभि शुक्ला सहित कर्मचारी वेदपाल, सोनू तिवारी, प्रिसेन जीत, जसविंदर पाल, वीरपाल, अमित कुमार, कृष्ण, रचित कुमार, पलविंदर, कमलेश बाबू और अमन कुमार समेत समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने भगवान विश्वकर्मा जी के आदर्शों को आत्मसात करने तथा अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करने का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा।

# 160 किलो सूखी मछली के साथ दो नेपाली दबोचे गए

**ढेबरूआ।** भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 50वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के महादेव बुजुर्ग कैंप के जवानों ने बुधवार रात कार्रवाई की। सीमा क्षेत्र में गश्त के दौरान जवानों ने संदिग्ध गतिविधि के आधार पर दो नेपाली नागरिकों को रोककर पूछताछ की। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चार बोरियों में करीब 160 किलोग्राम सूखी मछली बरामद हुई। मौके से दो मोटरसाइकिल भी मिलीं। सामान से संबंधित आवश्यक कागजात नहीं मिलने पर एसएसबी ने दोनों आरोपियों को बरामद सामान और वाहनों समेत कस्टम कार्यालय बढ़नी को सुपुर्द कर दिया। एसएसबी के अनुसार, 17 सितंबर की रात महादेव बुजुर्ग कैंप के जवान सीमा क्षेत्र में नियमित गश्त कर रहे थे। इसी दौरान दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से सामान लेकर जाते दिखाई दिए। संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर जवानों ने उन्हें रोक लिया।

# पीएम मोदी के जन्मदिन पर व्यापारियों ने मनाया जश्न

## केक काटकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया, दीर्घायु होने की कामना

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पूरनपुर/पीलीभीत।** अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन व्यापार मंडल के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित मिश्रा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान संगठन से जुड़े पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में व्यापारियों ने केक काटकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। जन्मदिन समारोह के दौरान व्यापारियों में उत्साह का माहौल रहा। उपस्थित पदाधिकारियों और व्यापारियों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों तथा व्यापार जगत से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में संगठन की एकजुटता और व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने और उनके समाधान के लिए संगठन की मजबूती एवं आपसी एकजुटता जरूरी है। कार्यक्रम में पहुंचे व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन भी किया गया। इस अवसर पर नगर संरक्षक महेंद्र मिश्रा, नगर अध्यक्ष नितिश अग्रवाल, महामंत्री विकास गुप्ता, युवा नगर अध्यक्ष संजीव गुप्ता, युवा महामंत्री सुभाष गुप्ता, रामपाल पाण्डेय, चेतन शर्मा, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश वर्मा, सुधीर अग्रवाल, विशाल वर्मा, नगर उपाध्यक्ष अनुज गुप्ता, अरविंद वर्मा, नगर मंत्री शिवम गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष शशांक मिश्रा, नगर मीडिया प्रभारी आशीष गुप्ता, युवा नगर मंत्री राहुल गुप्ता, एडवोकेट त्रिभुवन शर्मा, नकुल पांडे, डॉ. आदर्श दीक्षित, अंशु गुप्ता, युवा उपाध्यक्ष विपिन पांडे, युवा मंत्री दीपक कुमार, रितेश मिश्रा और अनादि मिश्रा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी नेता एवं संगठन के सदस्य मौजूद रहे।अंत में सभी ने आपसी सौहार्द बनाए रखने और व्यापार मंडल को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

# सर्दियों से पहले एनसीआर की हवा सुधारने के लिए मिशन मोड में हो काम: भूपेंद्र यादव

## केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ की वायु प्रदूषण कार्ययोजना की समीक्षा, नियमों के कड़ाई से पालन और जनभागीदारी पर दिया जोर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

**लखनऊ।** दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने और सर्दियों के मौसम में प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में एनसीआर में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए अब तक किए गए प्रयासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी सर्दियों से पहले प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को तेजी से लागू करने पर जोर दिया गया। बैठक में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार तथा प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह सहित केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का स्वागत किया। उन्होंने राज्य सरकार के सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में चर्चा किए गए उपायों पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बैठक के आयोजन तथा मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सर्दियों का मौसम शुरू होने से पहले उपलब्ध समय का पूरी तरह उपयोग करते हुए प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को मिशन मोड में लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए समयबद्ध कार्रवाई, विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय तथा नियमों का सख्ती से पालन बेहद जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वायु प्रदूषण जैसी जटिल समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सरकार के विभिन्न विभागों के साथ समाज की भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ तकनीक और नवाचार के उपयोग पर भी जोर दिया। पुराने एवं उपयोग की अवधि पूरी कर चुके वाहनों के संबंध में केंद्रीय मंत्री ने एनसीआर से बाहर पात्र ऐसे वाहनों के हस्तांतरण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। उन्होंने पुराने और अनुपयुक्त वाहनों को वैज्ञानिक तरीके से स्क्रैप किए जाने को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने 'परिवर्तन योजना' के तहत पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने की प्रक्रिया में भी तेजी लाने पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' पहल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी ईंधन स्टेशनों पर स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली यानी एएनपीआर कैमरे लगाए जाने का सुझाव दिया। इसके साथ ही शहरी यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए यातायात जाम वाले प्रमुख स्थानों की मिशन मोड में पहचान कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने औद्योगिक इकाइयों में ऑनलाइन निरंतर उत्सर्जन निगरानी प्रणाली तथा वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की स्थापना में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

### सड़क की धूल रोकने और हरियाली बढ़ाने पर जोर

सड़कों से उड़ने वाली धूल को कम करने के उपायों की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने सड़कों की मरम्मत, गड्ढों को भरने और सड़क किनारे हरियाली विकसित करने के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल झाड़ियों और घास लगाए जाने, फुटपाथ एवं पैदल मार्ग विकसित करने तथा सड़क किनारे हरित पट्टी बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने सड़कों की नियमित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने के साथ मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों की तैनाती में मौजूद कमियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों को जियो-टैग करने का सुझाव दिया, ताकि सफाई कार्य की वास्तविक समय में निगरानी हो सके और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

### इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती में तेजी के लाने के निर्देश

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की समीक्षा के दौरान भूपेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश के एनसीआर क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में स्वच्छ ऊर्जा आधारित वाहनों की हिस्सेदारी बढ़ाना वायु प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय मंत्री ने उत्तर प्रदेश में व्यापक स्तर पर किए गए वृक्षारोपण कार्य के लिए राज्य सरकार को बधाई भी दी।

## प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर हुआ आशीर्वाद कार्यक्रम, पालिका की व्यवस्थाओं की सराहना

**कांधला (वेलकम इंडिया)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत आशीर्वाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिषद की ओर से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा ने की, जबकि संचालन भाजपा नेता इंद्रपाल ने किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री वीरेंद्र सिंह मौजूद रहे। भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. रश्मिकांत जैन, मंडल उपाध्यक्ष प्रतिभा उर्फ सिमरन सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी सहभागिता की। इस दौरान सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों पर चर्चा की गई। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए दीर्घायु की कामना की गई।नगर पालिका परिषद की ओर से कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, बैठने सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई थीं। व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलने पर मुख्य अतिथि वीरेंद्र सिंह समेत मौजूद लोगों ने पालिका प्रशासन की सराहना की।कार्यक्रम में भाजपा मंडल महामंत्री दीपक गुप्ता, अशोक चौहान, अलका चौहान, अनिल बोहरा, संदीप सैनी, राजीव शर्मा, संजय मित्तल, डॉ. जनेश्वर चौहान, सचिन गोयल, पहल सिंह, निधीश मित्तल, पालिका सफाई निरीक्षक शैशिल मालिक, लिपिक अमरीष कुमार, जेई अनिल कुमार सहित भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

## जय सिंह यादव 'राना' के जिलाध्यक्ष बनने पर मवई के समाजवादियों में खुशी

### सपा मुखिया अखिलेश यादव का जताया आभार, दानिश हुसैन बोले-नए नेतृत्व से संगठन में आएगी नई ऊर्जा

वेलकम इंडिया/फतेह खान

**शुजागंज/अयोध्या।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर जय सिंह यादव 'राना' को जनपद अयोध्या का नव नियुक्त जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर ब्लॉक मवई क्षेत्र के समाजवादी पार्टी कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों में खुशी का माहौल है। कार्यकताओं ने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष जय सिंह यादव 'राना' को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए पार्टी नेतृत्व और सपा मुखिया अखिलेश यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्राम नेवरा स्थित मुबस्सिर हुसैन स्कूल परिसर में समाजसेवी दानिश हुसैन की मौजूदगी में सपा कार्यकताओं ने जय सिंह यादव 'राना' को अयोध्या का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी जाहिर की। इस दौरान कार्यकताओं ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा जय सिंह यादव 'राना' को जिले की जिम्मेदारी सौंपे जाने से संगठन के कार्यकताओं में उत्साह बढ़ेगा और पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। सपा नेता एवं समाजसेवी दानिश हुसैन ने कहा कि जय सिंह यादव 'राना' को जनपद अयोध्या की जिम्मेदारी मिलने से पार्टी कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत किया जाएगा तथा सभी कार्यकताओं को साथ लेकर संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जाएगी। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव एवं पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नव नियुक्त जिलाध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। दानिश हुसैन ने कहा कि पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। इस दौरान मौजूद कार्यकताओं ने भी नव नियुक्त जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर सैय्यद मंजर अशरफ, पूर्व प्रधान इदरीश खां, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि घनश्याम धीमान, संजय यादववंशी, अनिल यादववंशी, फतेह खान, जुनेद गुज्जर, बाबा फहीम, राम अचल यादव, अंकित यादव, मोहम्मद कैफ, मुसव्वर राइन, अबू मोहम्मद सहित अन्य सपा कार्यकताओं ने जय सिंह यादव 'राना' को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

## जिला जज, डीएम और एसएसपी ने किया राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

**बुलंदशहर।** जिला जज संजय सिंह, जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बाल बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान सम्प्रेक्षण गृह में कराई जा रही चारदीवारी के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीडीओ निशा ग्रेवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अस्मा सुल्ताना, एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अर्चना सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विकास चौधरी, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड निवेदिता सिंह प्रथम, जिला प्रोबेशन अधिकारी जय प्रकाश यादव, अधिशासी अभियंता लोनिवि राहुल शर्मा एवं जेल अधीक्षक रमेश यादव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

## काशीवासियों को सुखी रहने का मंत्र देंगी राजेश्वरी मोदी 'राज दीदी'

## आज मुंबई से आएंगी काशी, 20 सितंबर को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में होगा 'कुबेर का खजाना' कार्यक्रम

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

**वाराणसी।** विश्वविख्यात अभिप्रेरक वक्ता एवं नारीरत्न राजेश्वरी मोदी 'राज दीदी'तीन दिवसीय प्रवास पर 19 से 21 सितंबर तक काशी में रहेंगी। नारायण रेकी सत्संग परिवार, वाराणसी के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में वह अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों से संवाद कर उन्हें खुशहाल जीवन, सकारात्मक सोच और लक्ष्य प्राप्ति के सूत्र बताएंगी। कार्यक्रम संयोजक एवं वाराणसी केंद्र प्रमुख अनीता भालोटिया ने लक्सा स्थित मारवाड़ी समाज भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्य कार्यक्रम 20 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राजेश्वरी मोदी 'राज दीदी' जीवन में खुशहाली और सकारात्मकता के साथकुबेर का खजाना' प्राप्त करने का मूलमंत्र देंगी। इसके बाद शाम 5:30 बजे से वरदान रेकी का आयोजन किया जाएगा। अनीता भालोटिया ने बताया कि 19 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे रविंद्रपुरी लेन नंबर 12 स्थित अबेकस इंस्टीट्यूट में 7 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 'स्पार्किंग स्टार' सत्र आयोजित होगा। वहीं शाम 3 बजे रविंद्रपुरी स्थित गोपीराधा बालिका इंटर कॉलेज में 17 से 30 वर्ष के युवाओं के लिए 'रेडिएट स्टार' सत्र आयोजित किया जाएगा। इन विशेष सत्रों में बच्चों और युवाओं को एकाग्रता बढ़ाने, लक्ष्य प्राप्त करने, कठिन परिस्थितियों का सामना करने तथा तनावमुक्त जीवन जीने जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित करने के साथ जीवन में आत्मविश्वास और खुशहाली के महत्व से परिचित कराना है। पत्रकार वार्ता के दौरान सुनीता जालान, सारिका प्रकाश, समता डिडवानिया, सीमा सोनी, रागिनी अग्रवाल, अनीता जरपुरिया, पल्लवी अग्रवाल, रीना डिडवानिया, इशाक साह, अजू रस्तोगी, अनुज डिडवानिया, राजेंद्र मोहन साह, अरविंद अग्रवाल सहित नारायण रेकी परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

## मां की डाट से खफा मासूम छात्र स्कूल ना जाकर हुआ गायब

### पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर परिजनों को सौंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

**औरंगाबाद/बुलंदशहर।** एक नौ साल के छात्र को उसकी मां ने डाट दिया जिसके चलते वह स्कूल ना जाकर खफा हो घर से गायब हो गया। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने कड़ी मशक्कत करते हुए उसे तलाश कर परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। मौहल्ला अजीजाबाद के जहारवीर बाबा के मंदिर के समीप रहने वाले योगेन्द्र प्रजापति का नौ वर्षीय पुत्र निशांत जो कि नेशन पब्लिक स्कूल में कक्षा चार का छात्र है शुक्रवार को घर से स्कूल जाने के लिए निकला लेकिन घर वापस नहीं लौटा। लापता छात्र के चिंतित परिजनों स्कूल में जाकर पता किया तो पता चला कि निशांत स्कूल पहुंचा ही नहीं था। परिजनों ने थाना प्रभारी सुखवीर सिंह को बच्चे के लापता होने की जानकारी देते हुए मदद की गुहार लगाई। थाना प्रभारी ने पुलिस को साथ लेकर लापता छात्र की तलाश में क्षेत्र भर के तमाम सीसीटीवी कैमरे खंगाले। स्कूल प्रबंधन ने भी शिक्षकों को लापता छात्र की तलाश में लगाया।पुलिस ने सरगर्मी से तलाश जारी रखी। बच्चा गांव नंगलाकरन में रोता हुआ मिला। लापता छात्र के सकुशल बरामद हो जाने से पुलिस, स्कूल प्रबंधन और परिजनों ने राहत की सांस ली।

## पैगंबर मोहम्मद साहब की शान में फेसबुक पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले पर मुकदमा दर्ज

### पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की

वेलकम इंडिया/फतेह खान

**अयोध्या।** रूदौली कोतवाली क्षेत्र में सोशल मीडिया पर पैगंबर मोहम्मद साहब के विरुद्ध की गई कथित अशोभनीय टिप्पणी को लेकर गुरुवार की शाम को रुदौली क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और ग्रामीण रूदौली कोतवाली के बाहर डट गए और टिप्पणी करने वाले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की।बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया की एक आईडी से कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। इस आईडी का संबंध शुजागंज निवासी संतोष ठाकुर से बताया जा रहा है। टिप्पणी सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद रुदौली और शुजागंज क्षेत्र के लोगों में नाराजगी फैल गई और कार्रवाई की मांग को लेकर बड़ी संख्या में लोग रुदौली कोतवाली पहुंच गए।मामले की जानकारी मिलने पर नगर पालिका अध्यक्ष रुदौली जब्बार अली और सपा नेता चौधरी शहरयार सहित कई संभ्रांत लोग भी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया बुझाया। उन्होंने सीओ रूदौली और एसडीएम रूदौली से वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आरोपी के खिलाफ कार्यवाही कराने की बात का भरोसा दिलाते हुए मामले को शांत कराया। अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है प्रशासन ने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

## बिना नक्शा निर्माण पर एमडीए की कार्रवाई, दुकानों को किया सील

**कांधला (वेलकम इंडिया)।** नगर पालिका परिषद के सामने स्थित विवादित भूमि पर बिना स्वीकृत नक्शे के कराए जा रहे निर्माण के खिलाफ शुक्रवार को मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण की टीम ने कार्रवाई की। टीम ने मौके पर पहुंचकर निमार्णाधीन दुकानों को सील कर दिया। निर्माण कार्य करा रहे लोगों को नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज और निर्माण संबंधी स्वीकृति प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्रवाई के बाद मौके पर हड़कंप की स्थिति बनी रही। शुक्रवार को एमडीए के गौरव कुमार टीम के साथ कस्बे में पहुंचे थे। टीम ने नगर पालिका परिषद के सामने स्थित खसरा नंबर 1834 में निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार निर्माण कार्य के लिए स्वीकृत मानचित्र से संबंधित जानकारी नहीं मिलने पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। मौके पर निमार्णाधीन दुकानों को सील कर दिया गया।स्थानीय लोगों के अनुसार उक्त भूमि को पूर्व में काजी हाउस के नाम से जाना जाता था। राजस्व अभिलेखों में भूमि की श्रेणी और स्वामित्व को लेकर विवाद बताया जा रहा है। भूमि को लेकर पूर्व में भी एक पक्ष की ओर से थाना और तहसील स्तर पर शिकायत की गई थी। शिकायतकर्ता ने निर्माण कार्य को अवैध बताते हुए भूमि पर कब्ज और अतिक्रमण किए जाने का आरोप लगाया था और कार्रवाई की मांग की थी। बताया जा रहा है कि भूमि से संबंधित मामला उच्च न्यायालय में भी विचाराधीन है। ऐसे में निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय स्तर पर चचाएं बनी हुई हैं। वहीं, नगर पालिका प्रशासन की भूमिका को लेकर भी कुछ लोगों की ओर से सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।एमडीए की कार्रवाई के बाद अब संबंधित पक्षों को निर्माण से जुड़े अभिलेख और स्वीकृतियां प्रस्तुत करनी होंगी। अधिकारियों की ओर से आगे की कार्रवाई नियमानुसार किए जाने की बात कही गई है।

## विश्वकर्मा पूजा का अवकाश न होने से समाज में आक्रोश, विधानसभा चुनाव में होगा हिसाब: अशोक विश्वकर्मा

### महासभा ने सरकार से 17 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने समेत तीन प्रमुख मांगें उठाईं

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

**चन्दौली।** उत्तर प्रदेश में विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित न किए जाने को लेकर विश्वकर्मा समाज में नाराजगी जताई गई है। ऑल इंडिया यूनाइटेड विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने प्रदेश सरकार के निर्णय पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वकर्मा पूजा दिवस पर अवकाश की मांग को नजरअंदाज किए जाने से समाज के लोगों में गहरा आक्रोश है। उन्होंने कहा कि यदि समाज की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आगामी विधानसभा चुनाव में समाज अपने स्तर पर इसका जवाब देगा। अशोक कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा पूजा केवल किसी एक समाज का पर्व नहीं है, बल्कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि के प्रथम शिल्पी और निर्माण, तकनीक एवं कारीगरी की परंपरा से जुड़े देवता के रूप में श्रद्धा के साथ पूजा जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज के लिए यह पर्व गौरव, सम्मान, श्रद्धा और आस्था का विषय है। ऐसे में इस दिन सार्वजनिक अवकाश न होने से समाज के लोगों की भावनाएं प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज के कारीगरों और शिल्पकारों का देश के निर्माण एवं आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भवन निर्माण, फर्नीचर, औजार निर्माण, मूर्तिकला, मशीनरी, ऑटोमोबाइल मरम्मत और विभिन्न प्रकार के पारंपरिक एवं आधुनिक शिल्प कार्यों में समाज के लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र में भी विश्वकर्मा समाज से जुड़े कारीगरों और उद्यमियों का उल्लेखनीय योगदान है। अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि कई राज्यों में विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर राजकीय अवकाश की व्यवस्था है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में इस पर्व पर सार्वजनिक अवकाश नहीं होने को लेकर समाज के लोगों में सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार से विश्वकर्मा समाज की भावनाओं और मांगों को गंभीरता से लेते हुए इस दिशा में आवश्यक निर्णय लेने की मांग की।

ऑल इंडिया यूनाइटेड विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा ने सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। महासभा की पहली मांग है कि 17 सितंबर को श्री विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर तत्काल प्रभाव से सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। दूसरी मांग है कि विश्वकर्मा समाज के शिल्प, कला, परंपरा और देश के विकास में उसके योगदान को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। तीसरी मांग विश्वकर्मा शिल्प श्रम सम्मान बोर्ड के गठन की है, ताकि शिल्पकारों और कारीगरों के हितों के लिए संस्थागत स्तर पर कार्य किया जा सके।

## श्रम विभाग ने जागरूकता शिविर लगाकर सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

**कांधला।** विकासखंड परिसर कार्यालय में शुक्रवार को श्रम विभाग की ओर से जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मौजूद महिला-पुरुषों को श्रमिकों के हित में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही पात्र लोगों से योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करने की अपील की गई शिविर में मौजूद अधिकारी निशांत मान और मुनव्वर जंग ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विकासखंड परिसर में जागरूकता शिविर लगाया गया। अधिकारियों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य श्रमिकों और आम लोगों को श्रम विभाग की योजनाओं के प्रति जागरूक करना है, ताकि पात्र लाभार्थी सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें इस दौरान विभागीय कर्मचारियों ने लोगों को योजनाओं से संबंधित जानकारी दी और उनकी समस्याओं एवं सवालों का भी समाधान किया। जागरूकता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष मौजूद रहे। अधिकारियों ने लोगों से सरकारी योजनाओं की जानकारी लेकर पात्रता के अनुसार उनका लाभ उठाने की अपील की।

# मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कर पंजाबी मंच ने दिया संस्कार, शिक्षा और सेवा का संदेश

## समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों को स्मृति-चिह्न देकर किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, गुरुद्वारा रोड, मोदीनगर में पंजाबी मंच, मोदीनगर द्वारा मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का उत्साहवर्धन करने के साथ-साथ उन्हें शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित करना रहा।

समारोह में 21 मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए प्रमाण-पत्र एवं गिफ्ट हैम्पर प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले बच्चों में अर्शनूर कौर, एकनूर कौर, गुरलीन कौर, सिद्धि दातरी, मयंक शर्मा, इशांत खट्टर, दिया अरोरा, लक्षिता अरोड़ा ख्याति टंडन एवं दिव्या अरोड़ा सहित अन्य प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

इस अवसर पर मोदीनगर के वरिष्ठ समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों को भी उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मान पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। इनमें रोशन लाल ढींगरा, विश्वबंधु सचदेवा एवं बलवंत सिंह नारंग प्रमुख रहे।

कार्यक्रम में पंजाबी मंच के वरिष्ठ संरक्षक राजकुमार खुराना,वरिष्ठ संरक्षक राज ढींगरा, पंजाबी मंच के अध्यक्ष ललित अरोड़ा, महासचिव राजेश अरोड़ा ने कहा कि पंजाबी मंच समाजहित में शिक्षा, संस्कार एवं सेवा से जुड़े अनेक प्रोजेक्ट आगे भी आयोजित करेगा।

उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को प्रोत्साहित करने के साथ समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं।कार्यक्रम में महिला पंजाबी मंच की अध्यक्ष श्रीमती सीमा अरोड़ा ने भी अपने विचार रखे ।डॉ. जी. एस. सचदेवा एवं श्रीमती रंजीत कौर द्वारा कार्यक्रम का संचालन एवं व्यवस्थाओं में सहयोग किया गया।

इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जोगिंदर सिंह, मीत प्रधान राजेंद्र सिंह,जसपाल सिंह,मनजीत सिंह जॉली,कंवरजीत सिंह जग्गी एवं हरजीत सिंह लवली सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पंजाबी मंच के महासचिव संजीव चौधरी, भीमसेन ढींगरा, सुनील चावला, गुलशन मेहंदीरत्ता, रमेश खुराना (गोविन्दपुरी),पवन कुमार, विजय अरोड़ा मोदीनगर,डॉक्टर अतुल सेठी, रमित भूटानी, राजेश खुराना, दिशांत भूटानी, सतीश अरोड़ा, जेपी भूटानी, विजय खुराना, तेजिंदर गांधी, श्याम ढींगरा, भूदेव राज अरोड़ा, मनजीत सिंह जॉली, संजय अरोड़ा, आशु भूटानी, विजय अरोड़ा गोविंदपुरी, रवीश चचड़ा, सुनील भूटानी, नरेश मदान, चरणजीत सिंह, इविंदर सिंह गांधी ने सहयोग दिया महिला मंच से आंचल खुराना, रश्मि खुराना, ऋतु अरोरा, इंदु मदान, शालिनी चौधरी, संगीता कुमार, दिव्यांशा अरोड़ा, साक्षी अरोरा, ममता अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

# भारत-रूस शैक्षणिक सहयोग को नई गति, ब्रिक्स मंच पर 'यूनिवर्सिटी ब्रिज' पर मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

**साहिबाबाद ।** ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अवसर पर रूस के मारी विश्वविद्यालय की ओर से भारत-रूस के बीच वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से ऑनलाइन राउंडटेबल का आयोजन किया गया। इसमें जीसीयू यूनिवर्सिटी, इंदरप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) और सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी समेत प्रमुख भारतीय शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राउंडटेबल में उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक शोध, नवाचार, अकादमिक मोबिलिटी और संस्थागत साझेदारी को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। मारी विश्वविद्यालय के रेक्टर ने दोनों देशों के विश्वविद्यालयों एवं अकादमिक समुदायों के बीच शिक्षा, शोध और ज्ञान-विनिमय को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इंदरप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने भारत-रूस शैक्षणिक संवाद को ठोस संस्थागत साझेदारी में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने रूसी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी, संस्थागत एमओयू, संयुक्त कार्य समूहों के गठन, विद्यार्थी एवं फैकल्टी मोबिलिटी कार्यक्रम तथा संयुक्त शोध परियोजनाएं शुरू करने के सुझाव दिए। उन्होंने दीर्घकालिक शोध, नवाचार और क्षमता निर्माण के लिए भारत-रूस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने की दिशा में भी पहल का प्रस्ताव रखा। बैठक में 'यूनिवर्सिटी ब्रिज' की अवधारणा को भारत और रूस के वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक तंत्र को जोड़ने वाली पहल के रूप में सामने रखा गया। इसके माध्यम से संयुक्त शोध, अकादमिक आदान-प्रदान, ज्ञान-विनिमय और दीर्घकालिक संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई। राउंडटेबल में विश्वविद्यालयों की भूमिका को दोनों देशों के बीच शैक्षणिक एवं जन-स्तरीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण बताया गया। प्रतिभागियों ने भारत-रूस सहयोग को ठोस और कार्रवाई-उन्मुख साझेदारियों में बदलने तथा विद्यार्थियों, शोधकताओं और शिक्षकों के लिए नए अवसर विकसित करने पर जोर दिया।

# कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में पीएम मोदी का जन्मदिवस धूमधाम से मनाया

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** कृषि विज्ञान केंद्र मुरादनगर परिसर में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 76वां जन्मदिन के अवसर पर एक दीपक आशीर्वाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने दीप प्रज्वलित कर व केक काटकर धूमधाम से मनाया और प्रधानमंत्री के सुशासन सेवा की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा उनके विजन की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिलावर सिंह, व संचालन डॉ चंद्रपाल गुप्ता ने किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ प्रमोद कुमार कुंडू ने प्रधानमंत्री के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के प्रति जागृत किया। इस अवसर पर चिह्नित किसानों एवं विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ व दीघार्यु रहने की कामना की। इस अवसर पर महिपाल सिंह' सुबोध चौधरी' मंजू कश्यप' श्री राहुल चौधरी' श्रीमती लक्ष्मीदेवी' डॉ सरिता जोशी' डॉक्टर आकांक्षा सिंह' सचिन त्यागी' राहुल कुमार' मनमोहन कुमार' विकास कुमार' अमन कुमार' ऋषिपाल सिंह' सुशील कुमार' आशीष कुमार' वीरेंद्र सिंह' राजेश त्यागी आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

# मोदी कॉलेज में भूकंप और अग्नि सुरक्षा आपदा प्रबंधन की मॉक एक्सरसाइज का आयोजन

## आपदा प्रबंधन मॉक एक्सरसाइज का उद्देश्य विभागों के बीच तालमेल को बेहतर बनाना है: डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** मोदी कॉलेज में राज्य आपदा मोचन बल (एस डी आर एफ) द्वारा राज्यस्तरीय भूकंप और अग्नि सुरक्षा आपदा प्रबंधन की मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया।

जिला अधिकारी गाजियाबाद के निर्देशन में प्रशासन के द्वारा हमारे विद्यालय डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में आपदा प्रबंधन हेतु एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। आग लगने या भूकंप आदि आपदाएं आने पर प्रशासनिक यूनिट्स किस प्रकार आपस में सहयोग कर पीड़ित लोगों का रेसक्यू करती है, उन्हें फर्स्ट एड देती है। जिसमें सिविल डिफेंस, हॉस्पिटल, एस डीआरफ, म्युनिसिपल कॉरपोरेशन पुलिस प्रशासन आदि ने सहयोग किया ।प्रातः 10:30 बजे जैसे ही सायरन बजा वैसे ही स्थानीय प्रशासन की तरफ से सभी विभागों को फोन किए गए मौके पर 6-7 मिनट के अंदर ही एंबुलेंस पुलिस प्रशासन,अस्पताल की टीम,एसडीआरएफ की टीम फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंचे और विद्यालय के छात्रों की हालत की जानकारी ली जो छात्र गंभीर चोट से ग्रसित थे उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया । जिन छात्रों को कम गंभीर चोट लगी थी उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। विद्यालय में ही 4 बेड की व्यवस्था और डॉक्टर की टीम उनके साथ सभी जरूरी उपकरण की व्यवस्था भी थी। विद्यालय में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई थी। जिन्हें तुरंत इलाज की आवश्यकता थी उन्हें विद्यालय में उपलब्ध बेड पर ही चिकित्सा उपलब्ध कराई गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि आपदा प्रबंधन मॉक एक्सरसाइज एक ऐसा पूर्व अभ्यास है जिसमें भूकंप आग बाढ़ या रासायनिक हादसों जैसी आपात स्थितियों की नकली स्थिति बनाकर सुरक्षा और बचाव कार्यों का परीक्षण किया जाता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने एसडीएम श्रीमती कोमल पंवार और तहसीलदार रजत सिंह और उपस्थित अन्य अधिकारियों को पटका प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया इस अवसर पर विद्यालय प्रशासन ने उनको कॉलेज पत्रिका भी भेंट की।

# बदनौली प्रकरण में पुलिस प्रशासन की तरफा कार्यवाही से नाराज जाट समाज ने की पंचायत

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** कादराबाद गांव में जाट समाज ने बदनौली में प्रकरण को लेकर एक पंचायत की। पंचायत का संचालन अनुज नेहरा ने व अध्यक्षता श्योराण खाप चौधरी बाबा परमेन्द्र आर्य ने की। पंचायत में सभी पुलिस प्रशासन की तरफा कार्यवाही से नाराज थे। पंचायत को समर्थन देने के लिये ब्रह्मण महासभा से एडवोकेट सुमित शर्मा अपनी टीम के साथ व साटा चौरासी से भुपेंद्र तोमर अपनी टीम के साथ पहोंचे।

पंचायत के अध्यक्ष बाबा परमेन्द्र आर्य ने पंचायत की निर्णय की घोषणा करता हुए कहा कि पंचायत में उपस्थित सभी आदमी एक दिन में दो गांव में पंचायत करके जनसमुह को बदनौली प्रकरण में पुलिस प्रशासन द्वारा कि गई एक तरफा कार्रवाही की जानकारी देगा। यदि पुलिस प्रशासन हमारे समाज के व्यकित को गोली मारने वालों पर व हमारे समाज के घर पर पथराव करने वालों पर एफ आइ आर दर्ज नहीं करता है, तो हम 21 सितम्बर को एस एस पी कार्यालय पर एकत्रित होकर अपनी बात रखेंगे। पंचायत में जाट महासभा मोदीनगर के अध्यक्ष सतिश नेहरा, मंजित नेहरा , कर्मवीर प्रधान, सुभाष सांगवान , नरेंद्र श्योराण , रामनारायण राणा , मनोज कुमार , प्रवेंद्र नेहरा, सुरेन्द्र सिंह , बिनु चौधरी, आदि उपस्थित रहे।

# लोनी में नकली काली मिर्च की फैक्ट्री का खुलासा, लाखों का सामान जब्त

## मैदा, गोंद और तेल से तैयार हो रही थी नकली काली मिर्च, लोनी में छापा

कपिल चौहान

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** लोनी में नकली काली मिर्च तैयार करने के मामले का खुलासा हुआ है।

लोनी बॉर्डर पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने बेहटा हाजीपुर स्थित केहर फार्म हाउस पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में संदिग्ध सामग्री बरामद की। कार्रवाई के दौरान मौके से 1200 किलो काली मिर्च, 975 किलो चमकदार दाने, मैदा, गोंद और रिफाइंड तेल बरामद हुआ।

अधिकारियों के अनुसार बरामद सामग्री का इस्तेमाल नकली काली मिर्च तैयार करने में किया जा रहा था। टीम ने करीब 13.34 लाख रुपये कीमत का सामान जब्त किया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने बरामद सामग्री के नमूने जांच के लिए भेजे हैं। पुलिस मामले से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। प्रारंभिक कार्रवाई के बाद क्षेत्र में नकली खाद्य पदार्थों के कारोबार को लेकर हड़कंप मचा हुआ है।

# UPI पर MDR के विरोध में सांसद अतुल गर्ग के घर पहुंचे कांग्रेसी

## तख्तियां लेकर की नारेबाजी, बोले- व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डालने की तैयारी

कपिल चौहान

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** UPI पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) के विरोध में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को सांसद अतुल गर्ग के आवास पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लेकर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रस्तावित शुल्क का विरोध जताया।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि UPI के जरिए डिजिटल भुगतान आम लोगों और व्यापारियों के लिए रोजमर्रा की व्यवस्था बन चुका है। ऐसे में इस पर MDR लागू होने से व्यापारियों और छोटे दुकानदारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से प्रस्तावित MDR को वापस लेने की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर वे सांसद अतुल गर्ग के आवास पर बढ़े सरचार्ज का 'रिटर्न गिफ्ट' देने पहुंचे हैं। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

# दसलक्षण पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजनों ने पूजा अर्चना में लिया भाग

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** दसलक्षण पर्व के पावन अवसर पर श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य श्री 108 ज्ञान भूषण जी मुनिराज रत्नाकर के मंगल आशीर्वाद से दशलक्षमण महामंडल विधान एवं सोलह कारण महामंडल विधान का आयोजन प्रारंभ हो गया है। दसलक्षण पर्व पर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजनों ने पूजा अर्चना में भाग लिया।

दसलक्षण पर्व 25 सितंबर तक चलेगा। जिसमें प्रतिदिन मूलनायक प्रतिमा जी का अभिषेक,महामंडल विधान में अभिषेक,शातिधारा,नित्य नियम पूजा,निर्धारण, स्वाध्याय और शंका समाधान,महाआरती कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उदयपुर वाले पंडित धरणेन्द्र जैन शास्त्री ने पूजा अर्चना के साथ सभी कार्यक्रम संपन्न कराए ।

बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त जनों में कार्यक्रमों में भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। श्रद्धाजनों ने भगवान के समक्ष अपने मन,वचन और काया से हुई भूलों के लिए क्षमा याचना की। शास्त्री जी ने कहा कि जैन धर्म में दसलक्षण महापर्व का विशेष महत्व है।

यह पर्व भौतिक उत्सव की अपेक्षा आत्म चिंतन, आत्म संयम और आत्म बुद्धि का महापर्व है। इन दिनों धर्म के दस उत्तम लक्षणों की आराधना की जाती है। दसलक्षण पर्व श्रद्धापूर्वक संपन्न करने के लिए मंदिर कमेटी के अध्यक्ष स्वदेश जैन, महामंत्री संजय जैन (बालवाड़ी वाले), नवीन जैन जयंती प्रसाद जैन विनय जैन, महेश चंद जैन, दिनेश जैन, राजेंद्र जैन, सतीश चंद्र जैन, विपिन जैन अजय जैन, मनीष जैन संजय जैन अतुल जैन, नीरज जैन, पराग जैन आदि श्रद्धालुजन लगे हुए है।

# दशमेश खालसा संस्थान द्वारा 'अपनी सेवा अपने हाथ' मुहिम के अंतर्गत देशभर से परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य : जयराज धमीजा

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** समाजहित में निरंतर सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने तथा अधिक से अधिक परिवारों को सेवा के साथ जोड़ने के उद्देश्य से दशमेश खालसा समिति सेवा संस्थान द्वारा एक नई मुहिम 'अपनी सेवा अपने हाथ' का शुभारंभ किया गया है। संस्था के अध्यक्ष विकास भसीन जी की ओर से बताया गया कि सभी सहयोगियों के निरंतर सहयोग, संस्था के बढ़ते स्वरूप तथा प्रतिदिन नए जुड़ रहे परिवारों के उत्साह से सेवा कार्यों को और व्यापक रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य देशभर में अधिक से अधिक लोगों तक दशमेश खालसा द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों एवं समाजहित की गतिविधियों की जानकारी पहुंचाना और उन्हें इस सेवा अभियान से जोड़ना है।

'अपनी सेवा अपने हाथ' मुहिम के अंतर्गत दशमेश परिवार से जुड़े प्रत्येक सदस्य से अपील की गई है कि वे अपने दोस्तों, रिश्तेदारों, परिचितों, पड़ोसियों तथा व्यापारिक संपर्कों को दशमेश परिवार से जोड़ने में सहयोग करें। संस्था का मानना है कि यदि प्रत्येक परिवार अपने साथ कुछ नए परिवारों को जोड़े, तो सेवा का यह कारवां देशभर में और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ सकता है। संस्था ने कहा कि वर्तमान समय में समाजहित में संचालित विभिन्न सेवा कार्यों में संसाधनों और आर्थिक सहयोग की आवश्यकता रहती है। ऐसे में प्रत्येक परिवार द्वारा अपनी क्षमता के अनुसार दिया गया छोटा सा नियमित मासिक सहयोग भी सेवा कार्यों को निरंतर चलाने और उन्हें नए स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। दशमेश खालसा समिति सेवा संस्थान ने सभी सदस्यों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों से आह्वान किया है कि वे इस मुहिम को केवल संस्था का अभियान न मानकर अपना सेवा अभियान समझें और अधिक से अधिक परिवारों को जोड़कर समाजहित की इस पहल को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

संस्था की ओर से विश्वास व्यक्त किया गया कि सभी के सामूहिक सहयोग, सेवा भावना और सहभागिता से दशमेश परिवार निरंतर आगे बढ़ेगा तथा समाज के जरूरतमंद लोगों तक सेवा का दायरा और व्यापक होगा।

आइए, मिलकर सेवा में परिवार जोड़ें । सेवा बढ़ाएं-और दशमेश परिवार को आगे बढ़ाएं।

# पांच घंटे धधकती रही पेपर ट्यूब फैक्टरी, जेसीबी से दीवार तोड़कर बुझाई आग

वेलकम इंडिया संवाददाता

**गाजियाबाद।** ट्रॉनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर डी-1 फेस-2 स्थित पेपर ट्यूब फैक्टरी में शुक्रवार सुबह अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग इतनी भीषण थी कि फैक्टरी के अंदर धुआं ही धुआं भर गया और कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। सूचना मिलते ही दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं और करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि शुक्रवार सुबह 6:23 बजे प्लॉट नंबर सी-58 स्थित एसके पेपर ट्यूब इंडस्ट्रीज में आग लगने की सूचना मिली थी। करीब 1500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनी फैक्टरी से आग और धुआं निकल रहा था। सूचना मिलते ही ट्रॉनिका सिटी अग्निशमन केंद्र से तीन दमकल वाहन मौके के लिए रवाना किए गए। दमकल की टीम मौके पर पहुंची तो फैक्टरी के अंदर काफी धुआं भरा हुआ था। धुएं की वजह से अंदर का दृश्य साफ नहीं दिखाई दे रहा था। स्थिति को देखते हुए दमकलकर्मियों ने श्वसन उपकरण यानी बीए सेट पहनकर फैक्टरी के अंदर प्रवेश किया। टीम ने आग की स्थिति और उसके फैलाव का जायजा लेने के बाद अलग-अलग दिशाओं से पानी की बौछार शुरू की।

# भूकंप-औद्योगिक हादसे से निपटने का हुआ मॉक ड्रिल, कई विभागों ने मिलकर किया रेस्क्यू अभ्यास





**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** कमिश्नरेट गाजियाबाद में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। अभ्यास में भूकंप, औद्योगिक (रासायनिक) दुर्घटना और अग्नि सुरक्षा से जुड़ी आपात परिस्थितियों में राहत-बचाव की तैयारियों को परखा गया। मॉक ड्रिल के दौरान एनडीआरएफ, अग्निशमन एवं आपात सेवा, पुलिस व यातायात पुलिस, सिविल डिफेंस, नगर निगम,






जीडीए, रेडियो विभाग और स्वास्थ्य विभाग समेत विभिन्न टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। काल्पनिक आपदा की स्थिति में टीमों ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन, अग्निशमन, घायलों को प्राथमिक उपचार, चिकित्सा सहायता और सुरक्षित निकासी का अभ्यास किया। अभ्यास के लिए इंदिरापुरम, लोनी और मोदीनगर के प्रमुख स्थानों को शामिल किया गया। मॉक एक्सरसाइज के जरिए विभागों के बीच समन्वय, संचार व्यवस्था, त्वरित प्रतिक्रिया और उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल की क्षमता का व्यावहारिक परीक्षण किया गया।

# आवास पर लगा जनसमस्याओं का दरबार, लोगों की शिकायतें सुन अधिकारियों को दिए निर्देश



**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** शहर स्थित अपने आवास पर जनप्रतिनिधि ने विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं एवं जनसरोकार से जुड़े विषय गंभीरता से सुने। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने स्थानीय समस्याओं और अपनी शिकायतों से अवगत कराया।

जनप्रतिनिधि ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों एवं विभागीय प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का शीघ्र और प्रभावी निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अधिकारियों से शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करने और लोगों को अनावश्यक परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच निरंतर संवाद से क्षेत्र की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझकर उनका समाधान कराया जा सकता है। जनसरोकार से जुड़े विषयों पर लगातार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात भी कही गई।

# फरियाद सुनते ही डीएम ने लिया एक्शन, महिला के मौके पर भरवाए अंत्योदय-पेंशन के फार्म




**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अवैध कब्जे, भूमि विवाद, अतिक्रमण, राजस्व मामलों के साथ राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और पेंशन से संबंधित शिकायतें रखीं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में एक महिला ने राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और पेंशन की मांग रखी। जिलाधिकारी ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को बुलाकर महिला का अंत्योदय कार्ड और पेंशन का फार्म मौके पर भरवाया तथा आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। एक विधवा महिला ने पांच योजनाओं का लाभ मिलने पर डीएम का आभार जताते हुए आवास की मांग की, जिस पर उन्हें जल्द आवास दिलाने का आश्वासन मिला। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि एक योजना के लाभार्थी की अन्य योजनाओं के लिए पात्रता भी जांची जाए और पात्र होने पर लाभ दिलाया जाए। इस दौरान एडीएम समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में भागीरथ सेवा संस्थान की सहभागिता

## नशामुक्ति की राह छोड़ मुख्य जिन्दगी की राह पर आगे बढ़ चुके लोगों ने लिया संकल्प, केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने दिलाई सामूहिक शपथ

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नशामुक्ति एवं पुनर्वास के क्षेत्र में कार्य कर रहे सामाजिक संगठनों, नशामुक्ति केंद्रों के कार्यकर्ताओं तथा नशे की लत से उबरकर सामान्य जीवन की ओर लौट चुके लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में भागीरथ सेवा संस्थान की भी महत्वपूर्ण सहभागिता रही। संस्थान द्वारा संचालित कैमकुस नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ केंद्र से उपचार एवं पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी कर चुके पूर्व नशा-आश्रित व्यक्ति भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इन लोगों ने अपने अनुभवों के माध्यम से यह संदेश दिया कि उचित उपचार, निरंतर काउंसलिंग,




परिवार के सहयोग और पुनर्वास की प्रक्रिया के जरिए नशे की समस्या से बाहर निकलकर सम्मानजनक और सामान्य जीवन की ओर वापस लौटा जा सकता है।

कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर नशे की लत से उबर चुके लोगों के साथ ‘आशीर्वाद का दीया’ प्रज्वलित किया गया।

मंत्रालय के अनुसार कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य नशे की लत से उबर चुके लोगों की संघर्ष और पुनर्वास की यात्रा को सामने लाना तथा समाज में यह संदेश मजबूत करना था कि निरंतर देखभाल, उपचार और सामूहिक सहयोग के माध्यम से नशे की समस्या से उबरना संभव है।

इस भव्य आयोजन पर भागीरथ सेवा संस्थान के निदेशक अमिताभ सुकुल ने कहा कि, ‘नशामुक्ति केवल नशे से छुटकारा पाने तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति को दोबारा परिवार और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कैमकुस नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र इसी उद्देश्य के साथ निरंतर कार्य कर रहा है। ऐसे कार्यक्रम पुनर्वासित लोगों में आत्मविश्वास बढ़ाने और समाज को नशामुक्ति का सकारात्मक संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।’

इस खास अवसर पर संस्थान द्वारा मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार और मंत्रालय के मादक पदार्थ निवारण प्रभाग के संयुक्त सचिव डॉ. संदीप आर. राठौड़ को नशामुक्त भारत अभियान पर आधारित डायरी भी भेंट की गयी, जिसमें अभियान के तहत गाजियाबाद में हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा दर्ज है। डायरी देख दोनों ही बहुत प्रभावित हुए।

# एयरोसिटी की जमीन जुटाने की शुरूआत, पहली भूस्वामी ने दी सहमति

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (ऋ्रऊअ) की महत्वाकांक्षी एयरोसिटी योजना को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शुक्रवार को लैंड पूलिंग के जरिए भूमि जुटाने की शुरूआत करते हुए पहली भूस्वामी की सहमति प्राप्त की गई। यह सहमति ऋ्रऊअ उपाध्यक्ष नन्द किशोर कालाल की मौजूदगी में ली गई।

प्रस्तावित एयरोसिटी योजना मोरटी, अटोर और मेवला अगरी गांवों की करीब 231 हेक्टेयर भूमि पर विकसित की जानी है। योजना का प्रमुख आकर्षण प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम होगा। इसके आसपास आवासीय और वाणिज्यिक गतिविधियों के साथ आधुनिक अवस्थापना एवं नागरिक सुविधाएं विकसित करने की योजना है।

प्राधिकरण के अनुसार, बेहतर कनेक्टिविटी और सुनियोजित विकास से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। पहली सहमति के बाद अब अन्य भूस्वामियों से संवाद कर भूमि जुटाव की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इस दौरान अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह, ओएसडी राजीव रत्न और तहसीलदार विवेक मिश्रा समेत अधिकारी मौजूद रहे।

# दोस्त को बचाने पहुंचे भाइयों पर 25 युवकों का हमला, दोनों घायल

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में दोस्त के साथ हो रही मारपीट में बीच-बचाव करना दो भाइयों को भारी पड़ गया। शिप्रा सनसिटी गेट के पास 12 सितंबर की देर शाम करीब 25 युवकों ने दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। मारपीट में दोनों घायल हो गए। कनावनी निवासी दिनेश नागर के बेटे प्रियांश और हेमंत को सूचना मिली थी कि उनके दोस्त सूर्यांश सिंह के साथ कुछ युवक मारपीट कर रहे हैं। दोनों मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कराने लगे। आरोप है कि इसी दौरान युवकों ने दोनों भाइयों को घेरकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। घायल दोनों भाइयों को स्वजन ने अस्पताल में भर्ती कराया।

दिनेश नागर की शिकायत पर पुलिस ने आयुष नागर, गिली नरूला, सौम्या शाही, विशाल ठाकुर और हरिओम यादव समेत करीब 20 अज्ञात युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि आरोपितों की तलाश की जा रही है।

# विजय नगर की बदली तस्वीर, तीन साल में 181 करोड़ के 762 विकास कार्य

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

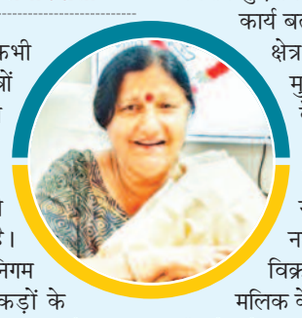



**गाजियाबाद।** कभी शहर के पिछड़े क्षेत्रों में गिने जाने वाले विजय नगर की तस्वीर पिछले तीन वर्षों में तेजी से बदली है। गाजियाबाद नगर निगम के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023-24 से अब तक विजय नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में निर्माण, उद्यान और जलकल विभाग के माध्यम से करीब 762 विकास कार्य कराए गए हैं, जबकि कई कार्य अभी भी जारी हैं। इन कार्यों पर लगभग 181 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। महापौर सुनीता दयाल ने इसे विजय नगर में अब तक हुए सबसे अधिक विकास कार्य बताते हुए कहा कि क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। महापौर सुनीता दयाल एवं नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में निगम की ओर से सड़क, नाली, पार्क, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल सहित जनसुविधाओं से जुड़े कार्य कराए गए हैं। निगम के आंकड़ों के मुताबिक विजय नगर क्षेत्र के अलग-अलग वार्डों में विकास कार्यों की बड़ी श्रृंखला संचालित हुई है। इससे क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं में बदलाव आया है।

# GDA की सार्वजनिक सूचना पर किसानों की आपत्ति, कनावनी में 36वें दिन भी धरना

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** ग्राम मोहिउद्दीनपुर कनावनी के मूल भूमिस्वामियों ने ऋ्रऊअ की ओर से 8 सितंबर 2026 को जारी सार्वजनिक सूचना के खिलाफ उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा 13 के तहत औपचारिक आपत्ति दाखिल की है। किसानों ने भूमि अधिग्रहण की वैधता पर सवाल उठाते हुए न्यायालय के आदेशों के अनुरूप कार्रवाई की मांग की है।

किसानों का आरोप है कि GDA के फेज-1 लेआउट में ऐसी भूमि भी शामिल की गई है, जिसके अधिग्रहण को वे न्यायालय के आदेशों के आधार पर समाप्त मानते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि भूमि की स्थिति स्पष्ट होने से पहले नीलामी या अन्य कार्रवाई हुई तो न्यायालय की शरण ली जाएगी।

इधर, किसानों का शांतिपूर्ण धरना शुक्रवार को लगातार 36वें दिन भी जारी रहा। किसानों की मांग है कि राजस्व अभिलेखों में मूल भूमिस्वामियों के नाम बहाल किए जाएं और विवादित भूमि पर आगे की कार्रवाई रोकी जाए। धरने में कैलाश नागर, भीम राज नागर, श्रीचन्द्र नागर, भगत सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

# भटजन पलौता में विकास की नई तस्वीर, गांव में ही मिल रहीं जरूरी सुविधाएं

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** भोजपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत भटजन पलौता में शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीणों को गांव में ही कई जरूरी सुविधाएं मिल रही हैं। पंचायत सहायक के माध्यम से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, फैमिली आईडी और आयुष्मान कार्ड समेत विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना से मिले अनुदान से डिजिटल पुस्तकालय तैयार किया गया है, जहां विद्यार्थी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा अध्ययन कर रहे हैं। गांव में पेयजल टंकी, सामुदायिक शौचालय, नियमित सफाई और डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था भी संचालित है। अमृत सरोवर योजना के तहत तालाबों का जीर्णोद्धार और गंदे पानी की रोकथाम के लिए फिल्टर चैंबर बनाए गए हैं। कोडियो तालाब आस्था का प्रमुख केंद्र है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण के साथ ओपन जिम की सुविधा भी विकसित की गई है। ग्रामीणों ने विकास कार्यों के लिए प्रशासन और प्रदेश सरकार का आभार जताया।

# पत्नी की हत्या कर तालाब किनारे दफनाया, ऊपर बो दिया बाजरा; पति को उम्रकैद

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** भोजपुर थाना क्षेत्र के फजलगढ़ गांव में हुए अंजू हत्याकांड में अदालत ने उसके पति दिनेश कुमार को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष गैंगस्टर अधिनियम अदालत के न्यायाधीश सुशील कुमार-चतुर्थ ने सभी साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर फैसला सुनाते हुए दोषी पर 60 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। दिनेश ने पत्नी के चरित्र पर शक के चलते उसकी हत्या की थी और शव को छिपाने के बाद खुद ही पत्नी के लापता होने की सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार फजलगढ़ गांव में 25 जनवरी 2023 की रात दिनेश ने अपनी पत्नी अंजू की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने शव को घर के एक कमरे में गन्ने की पत्तियों और अगोलों के बीच छिपा दिया। अगले दिन 26 जनवरी की रात करीब 12 बजे वह शव को लेकर गांव के पास गंदे नाले और तालाब के किनारे पहुंचा। वहां गड्ढा खोदकर उसने शव को मिट्टी में दबा दिया।